राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

# स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष-23 । अंक-08 । मार्च 2023 । कुल पृष्ठ-32 । मूल्य-₹15

राज्य पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के मुख्य संरक्षक महामहिम राज्यपाल श्री कलराज मिश्र को पुष्प-गुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य, साथ में हैं शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला

# राज्य पुरस्कार समारोह की चित्रमय झलकियां

महामहिम राज्यपाल श्री कलराज मिश्र राज्य पुरस्कार समारोह के सभी संभागियों एवं अतिथियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों की शपथ दिलाते हुए

राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला व एसबीआई के मुख्य महाप्रबन्धक श्री राजेश मिश्रा को तथा राज्य संगठन आयुक्त श्री पूरणसिंह शेखावत मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस श्री गोपाल कृष्ण व्यास को पुष्प-गुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए

**स्काउट गाइड ज्योति**
वर्ष : 23 अंक : 08
मार्च, 2023

**सलाहकार मण्डल**

**निरंजन आर्य**
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

**गौरव अग्रवाल,** आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

**निर्मल पंवार**
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

**डॉ. भंवर लाल,** आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

**महेन्द्र कुमार पारख,** आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

**रूक्मणि आर.सिहाग,** आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

**शुचि त्यागी,** आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

**टीना डाबी,** आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

**मुग्धा सिन्हा,** आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स-स्काउट)
**नवीन महाजन,** आई.ए.एस.
**नवीन जैन,** आई.ए.एस.
**डॉ. एस.आर. जैन**
**एस.के.सोलंकी,** आई.ए.एस.(से.नि.)
**डॉ. अखिल शुक्ला**

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
**मनीष कुमार शर्मा**

राज्य कोषाध्यक्ष
**ललित कुमार मोरोडिया**
राज.लेखा सेवा

**सम्पादक**

**डॉ. पी.सी.जैन**
राज्य सचिव

**सहायक सम्पादक**

**नीरज जैन**

## इस अंक में


| | विषय | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| • | दिशाबोध | 4 |
| • | संपादकीय | 4 |
| • | राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह | 5 |
| • | धन्यवाद बैज | 7 |
| • | विप्रो अर्थियन पुरस्कार | 11 |
| • | हिमालय वुड बैज (स्काउट) प्रशिक्षण शिविर | 12 |
| • | क्यों जरूरी है विद्यालयों में स्काउट-गाइड ग्रुप पंजीकरण | 13 |
| • | संस्कार और संस्कृति को जीवित रखते हुए है -स्काउटिंग का अनुशासन | 14 |
| • | जीवन को संवारती है पुस्तकें | 16 |
| • | हमारा स्वास्थ्य : स्वयं बनें अपने डॉक्टर | 17 |
| • | प्रेरक प्रसंग : जोड़ने वाला ही श्रेष्ठ | 17 |
| • | हमारे महापुरूष : क्रांतिकारी सन्यासी स्वामी दयानन्द सरस्वती | 18 |
| • | पर्यटन स्थल : बागोर की हवेली | 19 |
| • | Speaking Personally अपनी बात | 20 |
| • | काव्य प्रतिभा : हम बालचर | 21 |
| • | गतिविधि पञ्चांग | 22 |
| • | श्रेष्ठ कौन है? | 27 |
| • | देश में महिलाओं द्वारा हासिल उपलब्धियाँ | 28 |
| • | दक्षता पदक | 29 |
| • | पञ्चांग | 30 |


## लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

| स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क | आजीवन सदस्यता शुल्क |
|---|---|
| व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/- | 1200/- |

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

## दिशाबोध

# परीक्षा और समय का सदुपयोग

मार्च का महिना परीक्षाओं का है। मौसम के परिवर्तन के साथ बढ़ता गर्मी का आलम और ऊपर से परीक्षाओं की गर्मी। इस कठिन घड़ी से निपटना सिखाता है स्काउट संगठन। बच्चों के दबे हुए व्यक्तित्व को उजागर करता है यह संगठन। विकट परिस्थितियों में जीना सिखाता है यह संगठन। मुझे पूरा यकीन है कि स्काउट गाइड परीक्षा की तैयारियों के लिए भी पूरे उत्साह के साथ जुट गये होंगे।

शिक्षित समाज ही देश की तरक्की और उन्नति में सहायक सिद्ध होता है। स्काउट प्रवृति के साथ शिक्षा ग्रहण करना सोने पे सुहागा साबित होता है। मेरा सभी स्काउट गाइड से यही आह्वान है कि आशावादी बन शांत चित्त से वर्ष भर किए गए अध्ययन का ध्यानपूर्वक दोहरान करें। नियमित और योजना पूर्वक अपने विषयों का अध्ययन करते हुए समय का पूरा सदुपयोग करें। इस समय का एक–एक पल अमूल्य है, इसे व्यर्थ न गवायें। याद रखें इस मौके पर यदि आपने समय नष्ट किया तो उसकी भरपाई का अवसर नहीं मिलेगा। हमारी शिक्षा पद्धति का लक्ष्य है अच्छे और सफल इन्सान बनाना। इसमें सफलता ही हमारा लक्ष्य होना चाहिये।

शिक्षा से बंधी उम्मीदों का अनेक विद्वानों द्वारा और पौराणिक पावन ग्रंथों में जिक्र किया गया है। रवीन्द्रनाथ टैगोर का कहना था कि शिक्षा का काम केवल बौद्धिक विकास करना नहीं, बल्कि मानव की कोमल वृत्तियों का विकास करना है। डॉ. राधाकृष्णन का मानना था कि शिक्षा को मनुष्य और समाज का निर्माण करना ही चाहिए। यह स्पष्ट है कि शिक्षा से खड़ा उम्मीदों का पहाड़ बहुत बड़ा है। परन्तु प्रायोगिक तौर पर यह स्पष्ट हो चुका है कि शिक्षा की सहशैक्षिक गतिविधि स्काउट गाइड प्रवृत्तियों में भाग लेने के साथ जब शिक्षा प्राप्त की जावे तो निश्चित रूप से सभी उम्मीदों को पूरा किया जा सकता है। हमारे वेद में लिखा है कि शिक्षा व्यक्ति को आत्मविश्वासी और स्वार्थहीन बनाने वाली हो। यही सीख स्काउट गाइड नियम भी देते हैं, जिन पर आगे बढ़ते हुए स्काउट गाइड एक अच्छे और सफल इंसान के रूप में समाज में प्रतिष्ठित होते हैं।

सभी बालक–बालिकाओं को हार्दिक शुभकामनाओं के साथ.....

आपका

(निरंजन आर्य)
स्टेट चीफ कमिश्नर

# सम्पादकीय

फरवरी माह की 22 तारीख को राज्य पुरस्कार के भव्य समारोह में महामहिम राज्यपाल महोदय के हाथों से उन सभी कर्मवीरों का 'धन्यवाद बैज' से नवाज़ा जाना हमारे संगठन के लिए गर्व की बात है, जिन्होंने 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के भव्य और सफल आयोजन में उल्लेखनीय योगदान दिया। सम्मानित होने वालों से उसके पीछे खड़ा पूरा संगठन स्वयं को सम्मानित महसूस करता है। सम्मानित सभी महानुभावों की संकल्प शक्ति थी, जिससे जम्बूरी जैसा विराट आयोजन सफलता के शिखर को छू सका। मैं सभी को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

फरवरी माह में ही हमारे प्रदेश के स्काउट गाइड को प्रकृति अवलोकन का सुनहरा अवसर मिला। सभी जिलों में प्रकृति अध्ययन शिविर आयोजित किए गये, जिसमें स्काउट गाइड को प्रकृति से रूबरू कराया गया। इस अवसर पर नेशनल ग्रीन कोर योजना के अंतर्गत राज्य मुख्यालय की गाइड लाइन के अनुसार स्काउट गाइड, इको क्लब सदस्यों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाया गया, जिसमें ऊर्जा संरक्षण, जल सरंक्षण, पर्यावरण संरक्षण, पोस्टर, निबंध, चित्रकला आदि प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुई। शिविर के दौरान शिविरार्थियों को पर्वत, वन व तालाब क्षेत्र का भ्रमण करवाया गया। जहां पर पशु पक्षियों के साथ साथ वन क्षेत्र की जैव विविधता का बारीकी से अवलोकन करने का अवसर मिला और पर्यावरण संरक्षण व जैवविविधता की उपयोगिता व आवश्यकता को सभी ने समझा व सीखा।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

# राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह

## विश्व स्काउट दिवस एवं गाइड चिन्तन दिवस

### राज्य पुरस्कार समारोह : 20–23 फरवरी, 2023 : जगतपुरा, जयपुर

स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में जगतपुरा स्थित स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र पर आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह बुधवार 22 फरवरी 2023 को सायं 4 बजे महमहिम राज्यपाल श्रीयुत कलराज जी मिश्र के मुख्य आतिथ्य, शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला की अध्यक्षता एवं राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस गोपाल कृष्ण व्यास तथा भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजेश मिश्रा के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। सभी अतिथियों द्वारा लॉर्ड एवं लेडी बेडन पॉवेल के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह का शुभारम्भ हुआ।

प्रति वर्ष स्काउटिंग व गाइडिंग के संस्थापक लॉर्ड बेडेन पावेल व लेडी बेडेन पावेल के जन्मदिन 22 फरवरी को विश्व स्काउट दिवस एवं गाइड चिन्तन दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन राज्य स्तरीय स्काउट गाइड पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जाता है, जिसमें वर्ष के दौरान राज्य पुरस्कार उत्तीर्ण स्काउट–गाइड को राज्यपाल महोदय के हस्ताक्षरयुक्त प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

**समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री कलराज मिश्र** ने विश्व स्काउट दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्काउट–गाइड संगठन समाज सेवा से जुड़े कार्यों में अपनी भूमिका का विस्तार करे और स्वच्छता आंदोलन, शैक्षिक जागरूकता, ग्रामीण क्षेत्रों में कुरीतियों के निवारण एवं रूढ़ियों के उन्मूलन में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने आह्वान किया कि यह संगठन स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रसार करते हुए 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' के लिए कार्य करे। राज्यपाल ने कहा कि स्काउट– गाइड सिर्फ संगठन नहीं बल्कि वह विचार है जिससे विद्यार्थियों में स्वयंसेवक के रूप में कार्य करने की भावना का प्रसार होता है। उन्होंने कहा कि स्काउट–गाइड से युवा पीढ़ी को जो संस्कार मिलते हैं, उनसे व्यक्ति जीवन में निरंतर आगे की ओर बढ़ता है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि अगर नई पीढ़ी को बचपन से ही अच्छे संस्कारों की शिक्षा मिलती है तो उससे विद्यार्थीयों का

ही सर्वांगीण विकास नहीं होता बल्कि इससे राष्ट्र और समाज भी सुदृढ़ होता है। उन्होंने कहा कि स्काउट–गाइड संगठन इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को वह प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है, जिससे वे कठिन परिस्थितियों का मुकाबला करने के लिए तैयार होते हैं।

राज्यपाल ने गत दस वर्ष से लगातार राष्ट्रीय स्तर की चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड प्रदेश को मिलने पर राजस्थान राज्य संगठन की सराहना की। उन्होंने प्रदेश में स्काउट–गाइड की संख्या 13 लाख होने और राष्ट्रीय स्तर पर 9 अवार्ड मिलने के लिए भी राजस्थान राज्य संगठन को बधाई दी। उन्होंने राज्य के 16 हजार 600 विद्यालयों में इको क्लब के माध्यम से वृक्षारोपण, सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन, खुले में शौच मुक्त जनजागृति अभियान, स्वच्छता अभियान संचालित किए जाने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की।

राज्यपाल ने कार्यक्रम में जम्बूरी आयोजन में उल्लेखनीय सहयोग तथा स्काउट आन्दोलन में प्रशंसनीय, उल्लेखनीय एवं अद्वितीय सहयोग करने वाले भारतीय प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के अधिकारियों एवं अन्य प्रबुद्ध व्यक्तियों सहित कुल 32 को धन्यवाद बैज एवं 2 को मैडल ऑफ मेरिट तथा सभी संभागों के 33 जिलों से आये अनेक स्काउट–गाइड को राज्य पुरस्कार के प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और स्काउट–गाइड आन्दोलन के प्रदेश में बढ़ रहे सेवा कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त की।

**समारोह के अध्यक्ष शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला** ने कहा कि स्काउटिंग विद्यार्थियों को सेवा और परोपकार को परम धर्म मानकर जीवन में आगे बढ़ने की सीख देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग प्रदेश के शैक्षिक विकास के लिए सतत कार्य कर रहा है, इसी क्रम में कोविड दौर में नियमित स्कूल नहीं जा सके तीसरी से आठवीं कक्षा तक के बच्चों के लिए ब्रिज कोर्स तैयार करवाया गया है ।

**राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस श्री गोपाल कृष्ण व्यास** ने कहा कि युवाओं में अनुशासन एवं परिश्रम की भावना का विकास करने में स्काउट गाइड संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका है ।

**स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य** ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में समारोह के मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष को धन्यवाद अर्पित करते हुए कहा कि आपके चरित्र से हमें प्रेरणा मिलती है और हमें गर्व है कि बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए यह संगठन ही एक मात्र ऐसा संगठन है जो विश्व के लगभग सभी देशों में कार्य कर रहा है और हम इस संगठन से जुड़े हुए हैं। यह संगठन बच्चों में अच्छे संस्कारों के साथ उन्हें स्वावलम्बन, साहस और देशप्रेम जैसे अनेक सद्‌गुणों से सम्पन्न बनाता है। श्री आर्य ने बताया कि प्रदेश संगठन अपने अभिनव कार्यक्रमों और अपनी गुणवत्ता के कारण पूरे राष्ट्र में पहला स्थान रखता है।

श्री आर्य ने कहा कि राजस्थान में राष्ट्रीय जम्बूरी का अभूतपूर्व और भव्य आयोजन हुआ, जिसकी सराहना पूरे देश में हुई है। उन्होंने कहा कि स्काउट गाइड से जुड़ने पर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास होता है, इसलिए अधिकाधिक विद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधियां संचालित की जानी चाहिए।

कार्यक्रम के आरम्भ में राज्यपाल ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन किया। इसके बाद स्काउट–गाइड ने मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी और जम्बूरी गीत तथा बैण्ड वादन प्रस्तुत किया।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री कलराज मिश्र को स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने स्कार्फ पहना कर व पुष्प–गुच्छ भेंट कर अभिनन्दन किया तथा अध्यक्षता कर रहे डॉ. बी.डी. कल्ला का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सहभागी स्काउट्स गाइड्स द्वारा पिरामिड प्रदर्शन किया गया। नन्हें कब–बुलबुल द्वारा मनमोहक स्वागत गीत–नृत्य प्रस्तुत किया गया। समारोह में स्काउट आवासीय विद्यालय के बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत पर जोशीला समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसे देख पूरा प्रांगण तालियों से गूंज उठा। गाइड्स ने देशभक्ति गीत पर लोक नृत्य की भावभीनी प्रस्तुति दी।

समारोह के अन्त में राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन द्वारा सभी अतिथियों को शाब्दिक धन्यवाद अर्पित किया गया।

समारोह में भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजेश मिश्रा सहित राज्य सरकार के अधिकारीगण, स्काउट गाइड संस्था के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

इस वर्ष प्रदेश में 4571 स्काउट व 2349 गाइड्स तथा 818 रोवर व 643 रेंजर्स ने राज्य पुरस्कार के प्रमाण पत्र की योग्यता पूर्ण कर प्रमाण पत्र प्राप्त किए हैं।

# धन्यवाद बैज

**18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के आयोजन में उल्लेखनीय सहयोग तथा स्काउट आन्दोलन में प्रशंसनीय, उल्लेखनीय एवं अद्वितीय सहयोग करने वाले भारतीय प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के अधिकारीगण एवं अन्य प्रबुद्ध व्यक्ति माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र के कर-कमलों से धन्यवाद बैज प्राप्त करते हुए**

श्री नवीन जैन, आई.ए.एस.
शासन सचिव, पंचायती राज विभाग

श्री कैलाश चन्द मीना, आई.ए.एस.
संभागीय आयुक्त, जोधपुर

श्री तारा चन्द, आई.ए.एस.
जिला कलक्टर, उदयपुर

श्री पवन कुमार अरोड़ा, आई.ए.एस.
आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल

श्री नमित मेहता, आई.ए.एस.
जिला कलक्टर, पाली

श्री टीकम चन्द बोहरा, आई.ए.एस.
जम्बूरी नोडल ऑफीसर एवं अति.महानिदेशक एचसीएम रिपा

# धन्यवाद बैज

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
जिला कलक्टर, सिरोही

श्री अंकित कुमार, आई.ए.एस.
जिला कलक्टर, करौली

श्री लोकबन्धु, आई.ए.एस.
जिला कलक्टर, बाड़मेर

श्री सौरभ स्वामी, आई.ए.एस.
जिला कलक्टर, श्रीगंगानगर

श्री गगनदीप सिंघला, आई.पी.एस.
पुलिस अधीक्षक, पाली

डॉ. पुनीता सिंह,
संयुक्त निदेशक, पर्यटन विभाग

# धन्यवाद बैज

श्री राजेश मिश्रा
मुख्य महाप्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

राजकुमारी रुक्मणी देवी
समाज-सेवी एवं सदस्य, समाज कल्याण बोर्ड

डॉ. पृथ्वीराज, आई.ए.एस.
शासन सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
का सम्मान प्राप्त करते हुए उनके प्रतिनिधि

श्री नकाते शिव प्रसाद मदन, आई.ए.एस.
आयुक्त, डीएमआईसी एवं प्रबन्ध निदेशक रीको
का सम्मान प्राप्त करते हुए उनके प्रतिनिधि

श्री गौरव अग्रवाल, आई.ए.एस.
निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान
का सम्मान प्राप्त करते हुए उनके प्रतिनिधि

श्री नवीन माहेश्वरी
निदेशक, एलन कोचिंग, कोटा
का सम्मान प्राप्त करते हुए उनके प्रतिनिधि

## धन्यवाद बैज अलंकरण

श्री पुरूषोत्तम पुरी गोस्वामी
सचिव, स्थानीय संघ, सादड़ी (पाली)

श्रीमती गायत्री राठौड़, आई.ए.एस.
प्रमुख शासन सचिव, कला व संस्कृति विभाग
का सम्मान प्राप्त करते हुए उनकी प्रतिनिधि

## मेडल ऑफ मेरिट

श्री प्रकाशचन्द सिंघाड़िया
जिला मुख्यायुक्त एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, पाली

श्री गजेन्द्र त्यागी
सर्कल ऑर्गेनाइजर (स्काउट)

## राज्य पुरस्कार

अन्य मण्डल के फोटो पृष्ठ संख्या 31 पर देखें

# विप्रो अर्थियन पुरस्कार

## कोटड़ा जवाजा विद्यालय को मिला विप्रो अर्थियन 2022 पुरस्कार

पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के फलस्वरूप प्रति वर्ष विप्रो अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन द्वारा पुरस्कृत किया जाता है। इसी श्रृंखला में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोटड़ा जवाजा के इको क्लब व स्काउट द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में जल संरक्षण, जैव विविधता और वेस्ट मैनेजमेंट विषय पर किए गए कार्यों पर आधारित प्रोजेक्ट को इस पुरस्कार हेतु चुना गया है। राष्ट्रीय स्तर के विप्रो अर्थियन 2022 पुरस्कार को लेने बैंगलुरू में आयोजित भव्य कार्यक्रम में कोटड़ा जवाजा के पांच स्काउट और स्काउटर नरेन्द्र सिंह रावत समारोह में शामिल हुए, जहाँ विप्रो अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के चेयरमैन रिषद प्रेमजी, सीईओ अनुराग बहर ने अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

कोटड़ा के पांच स्काउट मनीष सिंह, लखपत सिंह, रणवीर सिंह, युवराज सिंह और भूपेन्द्र सिंह ने स्काउटर नरेन्द्र सिंह रावत के साथ यह शानदार पुरस्कार प्राप्त किया। राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार मिलने पर कोटड़ा विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अवधेश शर्मा, अनिल शर्मा सहित समस्त स्टाफ ने हर्ष व गर्व महसूस किया है।

कोटड़ा के सरपंच प्रवीण सिंह सहित एसडीएमसी व समस्त ग्रामवासियों ने बधाई और शुभकामनाएं देते हुए इसे गौरव पूर्ण उपलब्धि बताया।

उल्लेखनीय है कि बैंगलूरू में 11 से 12 फरवरी तक आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लेने हेतु कोटड़ा से विजेता दल को हवाई यात्रा का अभूतपूर्व अवसर मिला है।

# हिमालय वुड बैज (स्काउट) प्रशिक्षण शिविर

◇ महेश कालावत, सी.ओ. स्काउट, झुंझुनूं

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के निर्देश की अनुपालना में हिमालय वुड बैज (स्काउट) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 26 फरवरी से 4 मार्च तक पुष्कर घाटी, अजमेर में किया किया गया, जिसमें नागौर, भीलवाड़ा, अलवर, अजमेर, जालोर, सीकर, पाली, बांसवाड़ा, झुंझुनू, बीकानेर, जयपुर एवं राजसमंद जिले से 29 स्काउटर्स ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शिविर का संचालन चूरू जिले के सर्कल ऑर्गेनाइजर एवं लीडर ट्रेनर महिपाल सिंह तंवर द्वारा किया गया। शिविर संचालन में नागौर जिले के लीडर ट्रेनर शैलेश पैलोड, टोंक जिले के लीडर ट्रेनर रघुवीर सिंह, झुंझुनू जिले के सी.ओ. स्काउट महेश कालावत, चुरू जिले के सहायक लीडर ट्रेनर रज्जाक खान, राजसमंद जिले के सहायक लीडर ट्रेनर राकेश टांक तथा भरतपुर जिले के सहायक लीडर ट्रेनर बलराज सिंह द्वारा स्काउट की विभिन्न कलाओं का प्रशिक्षण दिया गया।

शिविर में विभिन्न प्रकार के एडवांस पायनियरिंग प्रोजेक्ट्स, गैजेट्स, नाइट गेम, नाइट हाइक, बिना बर्तनों के भोजन बनाना, स्काउट गाइड की विभिन्न विधाएं, प्राथमिक चिकित्सा सहित कमांडो ब्रिज, मंकी ब्रिज, लुकआफ्टर लिफ्ट, वाचिंग टावर तथा आग के विभिन्न प्रकार के बैसेज बनाकर उत्कृष्ट स्तर का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

शिविर में राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्ना लाल एवं सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद जोशी ने विजिट कर संभागियो का उत्साहवर्धन किया। शिविरार्थियों द्वारा शिविर में दिए जा रहे प्रशिक्षण की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा गया कि स्काउटिंग जीवन जीने की कला सिखाती है, जिसमें संस्कारों के साथ–साथ सुव्यवस्थित जीवन जीने की कला सिखाई जाती है।

शिविर के दौरान संभागियो को रात्रि हाइक पर ले जाया गया, जहां सभी ने रात्रि कार्यक्रम शिविर ज्वाल का आनंद लिया। शिविर में पायनियरिंग प्रोजेक्ट के तहत डेड मैन एंकर, नेचुरल होल्ड फास्ट, एडवांस कैंप क्राफ्ट, विभिन्न प्रकार के शिविर में काम आने वाले टूल्स, आदर्श टेंट आदि का जीवंत प्रदर्शन किया गया। शिविरार्थियों को प्रतिदिन शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बीपी सिक्स, सूर्य नमस्कार, योगा प्राणायाम का प्रशिक्षण प्रदान किया गया एवं ड्रिल मार्च पास्ट का अभ्यास करवाया गया। इस अवसर पर शिविर संचालक महिपाल सिंह तंवर ने संभागियों को उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हिमालय वुड बैज कोर्स अपने आप में एक सर्वोच्च योग्यता का शिविर है, जिसमें जितना सीखा जा सके उतना ही कम है।

शिविर विजिट के दौरान राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल ने कहा कि स्काउटिंग के माध्यम से बालक बालिकाओं में संस्कारों का बीजारोपण किया जाता है। स्काउट गाइड संगठन के माध्यम से राष्ट्र के लिए सुयोग्य नागरिकों का निर्माण किया जाता हैं।

राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्नालाल के शिविर में आगमन पर शिविरार्थियों द्वारा रात्रि कैंप फायर कार्यकम में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

# क्यों जरूरी है विद्यालयों में स्काउट-गाइड ग्रुप पंजीकरण

## स्काउटिंग....आदर्श जीवन जीने की कला

सन् 1907 में प्रायोगिक तौर पर 20 बच्चों से स्काउटिंग का कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। आज विश्व का सबसे बड़ा गणवेश धारी आन्दोलन बन गया है। यह विश्व के 216 देशों व उपनिवेशों में संचालित हो रहा है।

यह आंदोलन बालक/बालिकाओं, युवा/युवतियों का सर्वांगीण विकास कर उन्हें सुनागरिक एवं स्थानीय राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय का उत्तरदायी नागरिक बनाता है।

यह युवकों के लिए स्वैच्छिक, अराजनैतिक, असाम्प्रदायिक, सह–शैक्षिक आंदोलन है, जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए बिना किसी जाति, वंश अथवा धर्म के भेदभाव के खुला है।

### अपने बालक-बालिकाओं को स्काउट/गाइड बनायें क्योंकि-

- इसके द्वारा उन्हें स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा।
- उनका दृष्टिकोण विस्तृत होगा।
- उनमें आत्म विश्वास पैदा होगा।
- उनको समाज सेवा करने के अवसर प्राप्त होंगे।
- उन्हें चरित्र निर्माण की शिक्षा मिलेगी।
- इनमें मर्यादा एवं अनुशासन की भावना विकसित होगी।
- इसके द्वारा उनका खाली समय उपयोगी अभ्यासों में लगेगा।
- जीवन में उच्च स्तर प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।
- उन्हें कौशल विकास प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त होंगे जिससे स्वावलम्बी बनेंगे।
- उनमें प्रकृति की गोद में जाने से ईश्वरीय भाव जागृत होगा।
- उन्हें आत्मरक्षा के प्रशिक्षण प्राप्त होंगे।
- इन्हें उच्च शिक्षा प्रवेश में अंकभारिता का लाभ प्राप्त होगा।
- राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में सहभागिता के अवसर प्राप्त होंगे।

### कार्यक्रम एवं गतिविधियां

- साप्ताहिक ग्रुप मिटिंग, हाइक, भ्रमण, श्रमदान कार्य।
- क्रमबद्ध प्रशिक्षण–परीक्षण, बैजेज, विशेष दक्षता बैज, शिविर प्रतियोगिताएं, साहसिक गतिविधियां।
- सामुदायिक सेवा, समाज सेवा, प्राकृतिक आपदाओं में सहायता
- व्यावसायिक शिक्षा, स्वरोजगारन्मुखी कार्यक्रम।
- राष्ट्रीय पर्व, समारोह, महापुरूषों की जयन्तियां, सर्वधर्म सभा।
- राष्ट्रीय भावनात्मक एकता, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय जम्बूरियां।

### संस्था प्रधानों से निवेदन

- क्रमांक : शिविरा माध्य./आ./स./22434/05–06 दिनांक 28.02.2011 कार्यालय आयुक्त, माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर। समस्त माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों को निर्देशित किया कि स्काउट/गाइड की गतिविधियों का नियमित संचालन करें तथा स्काउट/गाइड की कोटामनी राशि छात्र कोष में जमा राशि से भुगतान की जावें।
- राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक विद्यालय में कम से कम एक यूनिट चलाना अनिवार्य किया हुआ है। यूनिट के संचालन व नेतृत्व हेतु प्रशिक्षित वयस्क लीडर की व्यवस्था संस्था प्रधान को करनी है। आपके विद्यालय से अवश्य संभागित्व करवाऐं।
- कब/बुलबुल, स्काउट/गाइड, रोवर/रेन्जर के लिए प्रतिवर्ष प्रशिक्षण की व्यवस्था की जावें।
- विद्यालय स्तर पर संचालित किये जाने वाले स्काउट/गाइड यूनिट की वर्ष पर्यन्त गतिविधियाँ निर्बाध रूप से आयोजित करने हेतु प्रस्तावित कार्यक्रम माहवार तय किया जाकर आपकी सेवा में भेजा जा रहा है जिसे आपके विद्यालय के बालक/बालिकाओं की आवश्यकतानुसार संचालन सुनिश्चित करें।
- यूनिट स्तर पर यथोचित रिकार्ड रखा जाना चाहिये और आप द्वारा समय–समय पर उसका अवलोकन किया जावें।

### अभिभावकों से अपेक्षा

बालक एक अच्छा स्काउट बने इसके लिए अभिभावक महत्ती भूमिका निभा सकते है, उनसे अपेक्षा है :–

- बच्चे के अध्ययन के साथ–साथ उन्हें सहशैक्षिक प्रवृति–स्काउटिंग में भाग लेने की स्वीकृति प्रदान करें।
- अपने बच्चों के लिए राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों में सम्मलित होने का अवसर प्रदान करावें।
- बच्चों की स्काउटिंग यूनिफार्म बनाने, शिविर गतिविधियों में भाग लेने में सहयोग प्रदान करें।
- समय–समय पर स्काउटिंग गतिविधियों में सम्मिलित होकर बच्चों का उत्साह बढाएं।
- बच्चों को दूसरों की सेवा, बडों का सम्मान, अपना काम स्वयं करने की प्रेरणा एवं अवसर प्रदान करें।
- समाज सेवा कार्यक्रमों, साहसिक गतिविधियों में बच्चों को भाग लेने दें, जिससे वे कठिनाई के समय भी अपना मानसिक संतुलन बनाए रख सकेंगे।
- आत्म रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अपनी बच्चियों की भागीदारी करावें।

# संस्कार और संस्कृति को जीवित रखे हुए है -स्काउटिंग का अनुशासन

लॉर्ड बैडेन पावेल ने स्काउट नियमों को अपनाकर यह प्रमाण दिया कि स्फूर्ति, साहस, अनुशासन को जीवन में उतारकर हर उस मंजिल का प्राप्त किया जा सकता है जो असंभव प्रतीत होती है।

हर विद्यार्थी संस्कारवान, अनुशासनित, ज्ञानवान, विवेकशील संयमतापूर्ण व कर्तव्ययुक्त होकर अपनी मंजिल की ओर कदम बढ़ाये, मार्ग की बाधाओं को पार करता जाये और अनुशासित रहकर अपना स्वयं का, परिवार का, राष्ट्र का व देश के भविष्य का विकास करे यही समाज आशा रखता है स्काउटिंग से। इसके कठोर नियम शुरू से ही अपने अंतस के दुर्विकारों को नष्ट करता है और मन में एक नई स्फूर्ति, साहस व निर्भिकता पैदा करते हैं।

उस महान आत्मा को नमन किया जा सकता है जिसने युवाओं में संस्कारयुक्त बीज बोने का बीड़ा उठाया और उसे सिंचित करके इतना विशाल वृक्ष बनाया कि उसकी छाया में आने वाल हर राहगीर आराम कर सके।

''लार्ड बेडेन पॉवेल'' अनसुना नाम नहीं है हर युवा इस नाम से परिचित है जिन्होंने पहले से ही आभास कर लिया था कि आने वाला समय भागमभाग और इतनी व्यस्तता का होग कि उसे शांति का मार्ग तो कहीं नहीं मिलेगा, अच्छाइयों, बुराइयों का ज्ञान नहीं हो पायेगा जिससे हर व्यक्ति कदम दर कदम नुकसान उठायेगा या मंजिल पाने में बाधा ही बाधा होगी। उन्होंने स्काउट नियमों को अपनाकर यह प्रमाण दिया कि स्फूर्ति, साहस, अनुशासन को जीवन में उतारकर हर उस मंजिल का प्राप्त किया जा सकता है जो असंभव प्रतीत होती है। यही नहीं आलस्य के लिये जितने योग, अभ्यास, कसरत, नियम, उपनियम विद्यार्थी के लिये लागू किये और विभिन्न गतिविधियों, एडवेंचरों के माध्यम से नई स्फूर्ति लाने की दिशा का ज्ञान कराया वह वास्तव में प्रशंसनीय है।

एक बीज को धरा मे बोते हैं तो उसके लिये एक गड्ढा तैयार कर उसमें बीज बोकर उसका संयमित व अनुशासित रूप से ध्यान रखकर पोषित किया जाता है। उसे पर्याप्त मात्रा में खाद, पानी, धूप व वायु सभी सामग्री उत्तम मात्रा में नियम दर नियम मिलती रहे तो वह पौधा पुष्पित, पल्लवित होकर एक विशाल वृक्ष बनता है जिसमें नये नये कोमल पत्ते, फूल व फल आदि अंकुरित होते रहते हैं और छाया भी प्रदान करते हैं। इतना ही नहीं वृक्ष कई वर्षों तक राहगीर को फल, फूल व छाया तो प्रदान करते ही है अन्त समय में भी सूखे वृक्ष की डालियों से हम उसे जलाने के कार्य में लेते है और उसकी लकड़ियों से अपने मकानें में विभिन्न प्रकार की दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुएं तैयार करते हैं। उसी तरह मानव जीवन में विद्यार्थी वह बीज है जिसे अच्छी तरह अनुशासित, संस्कारित और स्फूर्तिदायक बनाकर उसका विकास किया जा सकता है। विद्यार्थी जीवन को पोषित करने में जिन आयामों की आवश्यकता होती है उसमें कुछ माता–पिता, विद्यालय, मित्रजन पूरा करते है साथ ही स्काउटिंग भी उसे परिपक्व बनाती और संस्कारित करती है।

आज इसका उदाहरण देंखे तो हम पायेंगे के सेवा सुश्रुषा करते हुए स्काउट हमें कहीं भी मिल जायेंगे जो हमें अभिवादन करने से नहीं चूकेंगे। जो स्काउट पर–उपकार करता है, निःस्वार्थ भाव से सेवा करता है और अपने जीवन को खतरे में डालकर दूसरों का जीवन बचाता है यह वही वृक्ष है जिसे स्काउटिंग ने परिपक्व बनाया।

अधिकतर सुनने में आता है कि जो विद्यार्थी स्काउट नाम से घबराता है वह कमजोर है और स्काउट के कठोर नियमों को

वह सहन नहीं कर पाता। वह विद्यार्थी मंजिलों में पिछड़ता ही है हर स्थान पर वह कमजोर ही दिखता है। साथ ही उन विपरित परिस्थितियों का मुकाबला नहीं कर पाता। उस विद्यार्थी की कमजोरी उसे दोस्तों में, परिवाजनों में, समाज में, विभिन्न गतिविधियों में कहीं भी अव्वल नहीं आने देती है। कुछ विद्यार्थी यह कहते हुए या बताते हुए पाये जाते हैं कि स्काउट में भर्ती होने में कई खर्चों का सामना करना पड़ता है और हम आर्थिक परिस्थितियों के बोझ तले स्काउटिंग में भर्ती नहीं हो पाते हैं तो यह उनका सोचना निरर्थर है, क्योंकि स्काउटिंग गरीब बच्चों के उत्थान के लिये व उनकी इस कमजोर मानसिकता को बदलने के लिये ही बनी है।

यदि आप में निष्ठा, लगन है और कुछ करने की चेष्टाएं व इच्छाएं जागृत होती है तो अपने विद्यालय में स्काउट मास्टर से कहें, वो आपको स्काउटिंग में भर्ती करायेगा और आपकी इच्छाओं को बल मिलेगा। मैंने यह बात यहां इसलिये बताई है कि स्काउटिंग उन कमजोर मानसिकता वाले विद्यार्थी जो स्काउटिंग में भर्ती होने से डरते है या फिर गरीब है उनके उत्थान के लिये है, उनके विकास के लिये है, उनको संस्कारवान बनाने के लिये है, उनमें भारतीय संस्कृति की धरोहर को जीवित बनाये रखने के लिये है, एक नया जोश और स्फूर्ति उनमें भी बने, जो स्काउटिंग में भर्ती होने में संकोच करते हैं। इसलिए स्काउटिंग को अपनाने में देरी नहीं करनी चाहिए।

स्काउटिंग में कठोरता का अपना महत्व है। कठोरता एक ऐसा हथौड़ा है जो नया व नुकीला हथियार बनाता है। स्काउटिंग में वो ही कठोरता देखने को मिलेगी जो हमारे जीवन के लिये महत्वपूर्ण है। वह हथौड़ा ही हमें संस्कार, अनुशासन प्रदान करते है जो हमारी मंजिल में कदम कदम पर काम में आते है, हमें प्रशंसा प्रदान करते है, हमारे दुर्विकारों को दूर कर कमजोर लोगों से ऊँचा उठाते हैं।

देखा जाता है कि कुछ विद्यार्थियों में ऐसी लगन लगती है कि वे देश सेवा के लिये सेना में, पुलिस में भर्ती होते हैं और देश सेवा के लिये अपनी तैयारी करते है। ऐसी ही विशिष्ट व अनोखी सेवा यथा दूसरों की सेवा, परिवार सेवा, समाज सेवा, देश सेवा का अनुपम लाभ स्काउटिंग में रहकर भी हम उठा सकते हैं।

### कमजोर विद्यार्थी सोचें

- क्या हम कमजोर हैं
- परीक्षा में कम अंक आते हैं
- गतिविधियों में भाग नहीं लेते
- जीवन आलस्य युक्त है

यदि इनका उत्तर हाँ में है और इनसे छुटकारा पाने के लिए कुछ करने की इच्छाएँ है तो स्काउटिंग में भर्ती हों।

### स्काउटर/गाइडर क्या करें

- कमजोर विद्यार्थियों को स्काउटिंग में भर्ती करवायें
- गरीब तबके के विद्यार्थियों को अहसास करवायें कि इसमें ज्यादा कठोरता नहीं है, ना ही ज्यादा खर्चा होता है और जीवन मधुर, विश्वासयुक्त बनता है।
- उन विद्यार्थियों की इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करवायें जिनमें सेवा करने का दम है और ऐसे विद्यार्थियों को स्काउटिंग से जोड़ें
- वो विद्यार्थी जो परिवार, समाज के लिये कलंक बना है उसे अनुशासित करने का संकल्प लेकर स्काउटिंग में भर्ती करवायें।

### माता-पिता क्या करें

- आपका बच्चा कमजोर, आलस्य, प्रमादयुक्त ही न रह जायें इसलिये उसे स्काउटिंग में भर्ती करवायें व स्काउट गाइड ज्योति मासिक पत्रिका बच्चे के लिये मंगवाये
- बच्चे में कर्मठता के गुण पैदा करें, ताकि उसमें कुछ नया करने की इच्छा प्रबल हो।
- बच्चे को गरीबी, आर्थिक तंगी का अहसास न होने दें और जरूरत पड़े तो संगठनों से परामर्श लें और विद्यार्थी को आर्थिक लाभ दिलवाने की कोशिश करें।

**—कन्हैयालाल शर्मा**
**रामनगर विस्तार, सोडाला, जयपुर**

**स्काउटिंग का प्रचार-प्रसार होना ही चाहिए ताकि अधिकाधिक विद्यार्थी भावनात्मक व क्रियात्मक रूप से जुड़ें व लाभान्वित हों।**

# जीवन को संवारती है पुस्तकें

प्रस्तोता - तुषार कामरा

पुस्तकों का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। बचपन से ही हमें इन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। वर्णमाला, बारहखड़ी आदि सब हम पुस्तकों के माध्यम से ही सीखते हैं। ऐसा मानते हैं कि पुस्तकों में विद्या की देवी माता सरस्वती का वास होता है, इसलिए कई बार पुस्तकों की पूजा भी की जाती है। वास्तव में पुस्तकों से हमें ज्ञान का वह भंडार मिलता है, जो हमें अन्यत्र नही मिल सकता।

पुस्तकें कई प्रकार की होती है – जैसे पाठ्यक्रम की पुस्तकें, सामान्य ज्ञान की पुस्तकें, मनोरंजक पुस्तकें, आध्यात्मिक ज्ञान की पुस्तकें आदि। पुस्तकें कोई सी भी हो, हमें विचारों की एक ऐसी कड़ी से बांध देती है, जिसमें हम थोड़ी देर के लिए विचरण करते हैं और यह विचरण कैसा है, कितनी देर का है, यह निर्भर करता है, पुस्तक लिखने वाले लेखक पर। लेखन करते समय लेखक भावनाओं की जितनी गहराई में उतरता है, पढ़ने वाला भी भाव की उसी गहराई का अनुभव करता है । हमें वही साहित्य रुचिकर लगता है, जो हमारे दिल की गहराइयों को छूता है और हमें कुछ अच्छा सोचने के लिए व कुछ अच्छा करने के लिए विवश कर देता है।

पुस्तकों में विषय के अनुसार वातावरण, परिवेश आदि का चित्रण होता है। साहित्य के कारण ही हम अपने पुरातन समय का ज्ञान प्राप्त कर पाते हैं। यदि पुस्तकें न होती तो समस्त प्राचीन स्मृतियां लुप्त हो गयी होती। इसलिए दुर्लभ व प्राचीन ज्ञान की रक्षा करने के लिए अनेक लोगो ने अपने प्राण तक गंवा दिए। अंग्रेजो ने जब भारत को गुलाम बनाया तो यहाँ की संस्कृति के मूल आधार साहित्य को ही मिटाने के उपाय उन्होंने सर्वप्रथम किये। उसे विविध तरीकों से जलाकर समाप्त करने के उपाय किये गए, ताकि लोग यहाँ की गौरवपूर्ण संस्कृति को जान न सकें, उसे विस्मृत कर दें।

अच्छा साहित्य वो होता है, जिसे पढ़ने के बाद हम जो पहले थे, उसमें कुछ अंतर महसूस करते हैं, जीवन में कुछ बेहतर बदलाव महसूस करते हैं। उससे हमे समय समय पर प्रेरणा मिलती है, उससे सम्बन्धित अच्छे विचार भी मन में बार बार आते हैं। अच्छे साहित्य को पढ़ने से हम अपने जीवन की भटकन से उभरते हैं और सही मार्ग पर आ जाते हैं। इसे यों भी कह सकते है कि अच्छा साहित्य हमारे जीवन का पथ प्रदर्शक होता है, हमें सही मार्ग दिखलाता है।

संसार में बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जो समय की कमी के बावजूद बौद्धिक व साहित्यिक पुस्तकों को पढ़ते हैं। इसका प्रभाव यह होता है कि इससे उनमें सतत नए नए विचार आते हैं, अच्छे विचारो से उनका संपर्क होता है, अच्छी योजनाएं भी उनके मन में आसानी से आ जाती है, उनके मन में इससे संवेदनशीलता, करुणा की लहरें जन्म लेती है, जो सही निर्णय लेने में उनकी मदद करती है।

पुस्तकों से जुड़ी कई घटनाएं ऐसी हैं, जो बताती है कि इनसे कई लोगों का जीवन सुरक्षित हुआ है, जीवन संवरा है और उनका जीवन एक श्रेष्ठ पथ की ओर अग्रसर हुआ है। इसलिए मस्तिष्क में नकारात्मक चिंतन हावी हो, तो उसकी दिशा परिवर्तित करने के लिए अच्छे साहित्य की पढ़ना चाहिए, क्योंकि अच्छे साहित्य में न केवल पढ़ने योग्य विचार होते हैं, बल्कि उसमें वह दिव्य ऊर्जा भी होती है, जो हमारे चिंतन की शैली को परिवर्तित करके हमें नवजीवन प्रदान करती है।

आज इंटरनेट का जमाना है, इंटरनेट पर ही कई तरह का ज्ञान उपलब्ध है, लेकिन इंटरनेट कभी भी साहित्य की जगह नहीं ले सकता। यह सुविधाजनक अवश्य है, घर बैठे हम किसी भी तरह के ज्ञान से इंटरनेट द्वारा रूबरू हो सकते है, लेकिन साहित्य पढ़ने से, इसकी छुअन से, पन्नों में अंकित विषय सामग्री की खुशबू से जो सुकून शांति मिलती है, तृप्ति मिलती है, वह इंटरनेट पर पढ़ने से नही मिल पाती।

पुस्तक साहित्य से सभी का एक गहरा रिश्ता बना हुआ है, जो उन्हें उनके बचपन से मिला है, बड़े होने पर, जीवन की समस्याओं से जूझने पर यह रिश्ता थोड़ा कमजोर पड़ जाता है, लेकिन किसी न किसी माध्यम से पढ़ने की प्रक्रिया से लोग स्वयं को जोड़े रखते हैं, तभी तो भारत में लोग अखबार पढ़ते है, जिसमें देश दुनिया की रोमांचक खबरें होती है, ताजा समाचार होते है। यदि पढ़ने के इस शौक को थोड़ा और गंभीर बना लिया जाये तो जीवन में आश्चर्यजनक परिवर्तन देखे जा सकते हैं, क्योंकि साहित्य हमारे विचारों को, हमारे जीवन को संवारने में अपनी अहम भूमिका निभाता है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में साहित्य पढ़ने का, स्वाध्याय करने का नियमित क्रम अपनाना चाहिए, क्योंकि ये हमारे विचारों के प्रवाह को संतुलित करते हैं, नकारात्मक विचारों से सुरक्षा प्रदान करते हैं, मन में अच्छे विचारों का एक ऐसा कवच बनाते हैं, जिसे भेदकर नकारात्मक विचार प्रवेश नहीं कर पाते और जीवन को एक नए ढंग से संवारते हैं।

**रोवर लीडर**

**सूरतगढ़ ओपन रोवर क्रू, सूरतगढ़**
**श्रीगंगानगर**

हमारा स्वास्थ्य

# स्वयं बनें अपने डॉक्टर

—साभार दैनिक नवज्योति

- अजवायन का चूर्ण सूंघने से सिरदर्द व नजला दूर होता है और मस्तिष्क के सारे कीड़े भी नष्ट होते हैं।
- भोजन के बाद सीने में जलन होने पर अजवायन और एक बादाम दांतों से चबाकर खाएं।
- दूध हजम न होने पर या दूध पीने से गैस बनने पर दूध के बाद थोड़ा सा अजवायन का चूर्ण फांक लें।
- पेट में दर्द हो और भूख नहीं लगती हो तो अजवायन, काली मिर्च, सेंधा नमक पीसकर गर्म पानी के साथ लें।
- आधा चम्मच पिसी हुई सौंठ को फांककर ऊपर से गुनगुना दूध पीने से जुकाम दूर होता है। इसे सुबह और रात को सोते समय लें।
- खाना खाते ही शौच लगना या दिन में कई बार शौच जाना पड़ता हो और संग्रहणी हो तो बेल का 30 ग्राम गूदा, 5 ग्राम सौंठ और 10 ग्राम गुड मिलाकर लें। इसी तरह दिन में दो तीन बार यह मिश्रण लगातार 3–4 दिन तक लेने से लाभ होता है।
- पीलिया होने पर सफेद प्याज का रस, गुड़ और हल्दी को एक साथ घोटकर नाक से सूंघें।
- बवासीर होने पर पकी नीम की निंबौली पुराने गुड़ के साथ दिन में तीन बार खाएं।
- दांतों में कीड़ा लग जाने पर दालचीनी के तेल में रूई का फाहा बनाकर भिगोकर दांतों पर लगायें।
- बार–बार पेशाब आने पर आंवले का रस पानी में मिलाकर सुबह–शाम तीन दिन तक पीएं।
- बाल झड़ने पर एक लीटर पानी में आधा चम्मच सिरका मिले पानी से सिर धोएं।
- पेट दर्द होने पर भुनी हुई सौंफ खाने से लाभ होता है।
- मुंह में छाले हो जाने पर तुलसी के पत्तों का रस पानी में मिलाकर कुल्ले करें।
- कब्ज होने पर गुनगुने पानी में नींबू निचोड़कर पीएं।
- खूनी दस्त लगे हों तो पिसे हुए धनिए में मिश्री डालकर खाने से लाभ होता है।
- चोट लगने पर यदि खून बंद न हो तो पिसा हुआ धनिया घाव पर लगाएं।
- शरीर के किसी भी अंग पर सूजन आ गई हो तो धनिए को सिरके में पीसकर लेप करें।
- जल जाने पर तत्काल शहद का लेप करने से जलन बंद हो जाती है।
- दही में शहद मिलाकर बच्चों को चटाने से उनके दांत बड़ी आसानी से बिना दर्द के निकल आते हैं।
- मासिक धर्म में गड़बड़ी होने पर अथवा मासिक धर्म कम या ज्यादा होने पर अजवायन का तीन ग्राम चूर्ण दिन में दो बार गर्म दूध के साथ लें। मासिक धर्म नियमित हो जाएगा।
- हड्डी टूट जाने पर नियमित रूप से शहद का सेवन करने से हड्डी जल्दी जुड़ती है।

प्रेरक प्रसंग

# जोड़ने वाला ही श्रेष्ठ

एक दिन किसी कारण से स्कूल की छुट्टी जल्दी हो जाने के कारण एक दर्जी का बेटा अपने पिताजी की दुकान पर चला गया। वहाँ जाकर वह बहुत ध्यान से अपने पिताजी को काम करते हुए देखने लगा, जो सिलाई करने में व्यस्त थे। उसने देखा कि पिताजी कैंची से कपड़े को काटते हैं और कैंची को पैर के नीचे रख देते हैं। फिर सुई से उसको सीते हैं और सीने के बाद सुई को अपनी टोपी पर लगा लेते हैं।

जब उसने इसी प्रक्रिया को चार–पाँच बार देखा तो उससे रहा नहीं गया और उसने पिताजी से कहा कि वह एक बात पूछना चाहता है। दर्जी ने कहा– ''हां, बेटा! पूछो, क्या पूछना चाहते हो?''

बेटे ने पूछा– ''मैं बहुत देर से आपको देख रहा हूँ, आप जब भी कपड़ा काटते हैं तो उसके बाद कैंची को पैर के नीचे दबा देते हैं और सुई से कपड़ा सीने के बाद उसे टोपी पर लगा लेते हैं, ऐसा क्यों?''

पिता ने बहुत प्यार से उसे देखा और उसके सिर हाथ फेरते हुए समझाया– ''बेटा! कैंची काटने का काम करती है और सुई जोड़ने का। सामान्य सा नियम है कि काटने वाले की जगह नीचे होती है और जोड़ने वाले का स्थान हमेशा ऊपर होता है। यही कारण है कि मैं सुई को टोपी पर लगाता हूँ और कैंची को पैर के नीचे दबा कर रखता हूँ।

श्रेष्ठ वही है, जो जोड़ता है। आप कुछ ऐसा काम करें जो आपको लोगों से जोड़ता हो। निश्चय ही यह काम आपको श्रेष्ठ बना देगा।

हमारे महापुरुष

जन्म दिवस फाल्गुन कृ.१० पर विशेष

# क्रांतिकारी सन्यासी स्वामी दयानन्द सरस्वती

महर्षि दयानन्द सरस्वती एक ऐसा जाना पहचाना नाम है जिस पर भारतीय राष्ट्र के लोग असीम श्रद्घा रखते हैं। सामान्यतः लोग इतना ही जानते हैं कि फाल्गुन कृष्ण 10 (तब 12 फरवरी 1824) को गुजरात प्रान्त के मोरवी के टंकारा नामक ग्राम में एक प्रसिद्घ शिव भक्त औदिच्य ब्राह्मण परिवार में श्री करसनजी त्रिवेदी के घर माता यशोदा बाई की कोख से एक बालक का जन्म हुआ। मूल नक्षत्र में जन्म लेने के कारण बालक का नाम मूलशंकर रखा गया। आगे चलकर पूर्णानन्द जी ने मूलशंकर का मुण्डन कराकर गेरूए वस्त्र पहनाकर संन्यास की दीक्षा प्रदान की तथा उनका नाम दयानन्द रख दिया गया।

## वेद और हिन्दू संस्कृति

महर्षिजी के सम्बन्ध में यह भी जाना जाता है कि वे आर्य समाज के संस्थापक थे, जिसने हिन्दू समाज में व्याप्त कुरीतियों का उन्मूलन करने हेतु अनेक सुधारात्मक कार्य किए हैं। राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में हिन्दी की आपने पुरजोर शब्दों में वकालत की।

## उद्देश्यपरक यात्राएं

महर्षिजी ने अपनी शिक्षा का माध्यम वेदों को चुना। वेदों का गहन अध्ययन कर हिन्दू समाज को तदनुसार संस्कारित करने का प्रयास करना उनके जीवन का मूल उद्देश्य रहा। लेकिन इसके अतिरिक्त भी हमें महर्षि दयानन्द सरस्वती के जीवन चरित्र को समझना होगा। वेदों के अध्ययन के लिए संस्कृत शिक्षा पर विशेष जोर दिया।

## समाज सुधार के प्रयास

महर्षिजी की मान्यता थी कि इस देश को संस्कारित करने के लिए पुनः वेदों की ओर लौटना होगा। इस हिन्दू राष्ट्र को सुदृढ़ बनाने हेतु अस्पृश्यता जैसी सामाजिक बुराइयों का उन्मूलन करना होगा। हिन्दू समाज में व्याप्त सती प्रथा, दहेज प्रथा, जैसी सामाजिक कुरीतियों को त्यागना होगा। महर्षिजी ने महिला शिक्षा पर भी पुरजोर ध्यान दिया तथा कहा कि किसी भी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए स्त्री शिक्षा परमावश्यक है। भारत वर्ष में स्वदेशी आन्दोलन को प्रारम्भ करने वालों में महर्षि दयानन्द सरस्वती का नाम सर्व प्रथम आता है। इसके साथ–साथ आपने गो–रक्षा के महत्व को भी समाज के सामने रखा। उनका मानना था कि राष्ट्र की सम्पन्नता के लिए गोमाता की रक्षा होना परमावश्यक है।

## क्रांतिकारी दयानन्द

महर्षि दयानन्द सरस्वती ने अनेक राष्ट्रीय महत्व के अन्य कार्य भी किये, जिन्हें जानना आवश्यक है। 1857 की क्रांति से पूर्व स्वतन्त्रता सेनानियों के साथ उनके प्रगाढ़ सम्बन्ध रहे। भारत की स्वतंत्रता के इस प्रथम युद्ध में महर्षि दयानन्द ने अनेक क्रान्तिकारियों को मार्गदर्शन ही नहीं सक्रिय सहयोग भी प्रदान किया। 1856 में जब प्रसिद्घ क्रांतिकारी नाना साहब स्वामी संपूर्णानन्द जी से कनखल हरिद्वार में मिले तब स्वामी जी ने कहा इस काम में आपको तेजस्वी युवा सन्यासी सरस्वती अच्छा सहयोग दे सकते हैं। उनके मन में भी देश भक्ति की भावना कूट–कूट कर भरी हैं।

महर्षि दयानन्द मई 1856 में नाना साहब से बिठूर में मिलने गए। दोनों ने अंग्रेजों को देश से निकालने के लिए एक योजना बनाइ। इस योजना के अनुसार तय हुआ कि अंग्रेजों द्वारा कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी काम में ली जा रही हैं उससे भारतीय सैनिकों की अवगत कराया जाय। योजना यह बनी कि सन्यासी रोटियों में गुप्त संदेश भेजने का कार्य करेंगे। महर्षि दयानन्द के नेतृत्व में तमाम सैनिक प्रतिष्ठानों में साधुओं के वेश में क्रांतिकारियों द्वारा क्रांति की ज्वाला भड़काई जाने लगी। महर्षिजी को इस कार्य के लिए दक्षिण में रामेश्वरम तक, बंगाल में गंगासागर तक तथा उत्तर में गंगोत्री तक की पैदल यात्रा करनी पड़ी। इस प्रकार महर्षि दयानन्द सरस्वती ने क्रांतिकारियों को अपना अमूल्य मार्ग दर्शन एवं सहयोग प्रदान किया।

## मुंशीराम बना श्रद्धानंद

1856 की क्रांति के असफल होने के बाद महर्षि दयानन्द भ्रमण करते हुए 31 जुलाई को बदायूं पहॅचे। वहॉ पर उन्होंने व्याख्यान देना प्रारम्भ किया। शहर के कोतवाल का पुत्र मुंशीराम काशी में पढता था। लेकिन गलत संगत के कारण वह मांस भक्षी, शराबी, जुआरी तथा पूर्ण रूप से नास्तिक हो गया था। वह महर्षि जी के सम्पर्क में आया। उनके प्रवचनों का उस पर अनुकूल प्रभाव पड़ा तथा वह आगे चलकर राष्ट्र का महान क्रांतिकारी श्रद्धानंद बना। इसी श्रद्धानंद ने मैकाले की शिक्षा पद्धति को चुनौति देकर शुद्ध भारतीय पद्धति से शिक्षा दिलाने के लिए गुरूकुल कांगड़ी की स्थापना की जो आज विश्वविद्यालय के रूप में राष्ट्र का गौरव बढ़ा रहा है।

SWAMI DAYANAND SARASWATI

इस प्रकार हम देखते हैं कि पूर्ण ब्रह्मचर्य का पालन करने वाले, वेद विद्या के पक्षधर, भारतीय समाज के प्रति समाजोद्धारक प्रकाण्ड विद्वान महर्षि दयानन्द यहाँ तक ही सीमित नहीं रहे। 1857 की क्रांति के सक्रिय सहयोगी इस मनस्वी से प्रेरणा प्राप्त कर आगे भी अनेक क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों के विरूद्ध अपना बिगुल बजाया। पंजाब की धरती पर ऐसे अनेक सैनानी हुए हैं, जिन्होंने आर्य समाज के माध्यम से महर्षि दयानन्द के पद चिह्नों पर चलकर अपना जीवन राष्ट्र हित में समर्पित किया है।

पर्यटन स्थल

# बागोर की हवेली

## मेवाड़ शैली की विरासत

राजस्थान के उदयपुर में ढाई सौ साल पुरानी बागोर की हवेली पर्यटकों को खूब लुभाती है। इस हवेली को 1751 से 1781 के बीच मेवाड शासन के तत्कालीन प्रधानमंत्री अमर चंद्र बडवा की देखरेख में बनवाया गया था। इस हवेली में ऐसे अनेक कक्ष अलग–अलग रंगों में रंगे हैं जिनका उपयोग मौसम के अनुकूल हुआ करता था। इन कक्षों में सुसज्जित वस्त्रों का इस्तेमाल भी उसी के अनुरूप होता था। इस हवेली में राजा–रजवाड़े के जमाने के शतरंज, चौपड़, सांप–सीढ़ी और गंजीफे आज भी मौजूद हैं, जिसका उपयोग राज परिवार की महिलाएं खेल, व्यायाम तथा मनोरंजन के लिए किया करती थीं। इस हवेली में स्वर्ण तथा अन्य बेशकीमती अलंकारों को रखने के लिए अलग तहखाना बना हुआ था। ऐतिहासिक बागोर की हवेली में वास्तुकला एवं भित्तिचित्रों को इस तरह से संजोया गया है कि यहां आने वाले देशी–विदेशी पर्यटक इसे देखना नहीं भूलते।

पिछौला झील के किनारे बनी इस हवेली में 138 कक्ष, बरामदे एवं झरोखे हैं। इस हवेली के द्वारों पर कांच एवं प्राकृतिक रंगों से चित्रों का संकलन आज भी मनोहारी है। इस हवेली में स्नानघर की व्यवस्था थी जहां मिट्टी, पीतल, तांबा और कांस्य की कुंडियों में दूध, चंदन और मिश्री का पानी रखा होता था और राज परिवार के लोग पीढ़ी पर बैठकर स्नान किया करते थे।

मेवाड़ के इतिहास के अनुसार महाराणा शक्ति सिंह ने बागोर की इस हवेली में निवास के दैरान ही त्रिपोलिया पर 1878 में महल का निर्माण कराया था। 1880 में महाराणा सज्जन सिंह ने बागोर की हवेली का वास्तविक स्वामी अपने पिता महाराणा शक्ति सिंह को घोषित कर दिया। बाद के वर्षों में उत्तराधिकारी के अभाव में यह उपेक्षित रही। इतिहास के अनुसार वर्ष 1930 से 1955 के बीच महाराणा भूपाल सिंह ने इस हवेली का नए सिरे से जीर्णोद्धार कराकर इसे राज्य की तीसरी श्रेणी का विश्राम गृह घोषित कर दिया। मेवाड़ रियासत के राजस्थान में विलय के बाद यह हवेली लोक निर्माण विभाग के अधिकार में चली गई।

1986 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र का मुख्यालय इस हवेली में बनाया। इसके बाद इस ऐतिहासिक हवेली की साफ सफाई एवं नए सिरे से रंग रोगन किया गया। हवेली के जनाना महल में दो सौ वर्ष पुराने मेवाड़ शैली के भित्ति चित्र मिले हैं जो यहां के राजा रजवाडे के रहन–सहन एवं ठाठ बाट को प्रदर्शित करते हैं। स्थानीय निवासियों के मुताबिक उनके पूर्वज कहा करते थे कि बागोर की हवेली पर्याप्त जल क्षेत्र एवं सुरक्षा की दृष्टि से बनाई गई थी इसलिए पिछौला झील के किनारे यह हवेली बनाई गई थी। इस हवेली में राज परिवार को छोड़कर किसी को प्रवेश करने की इजाजत नहीं थी। वैसे इस हवेली के प्रति पिछले एक दशक में देशी–विदेशी पर्यटकों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है।

**–साभार पंजाब केसरी**

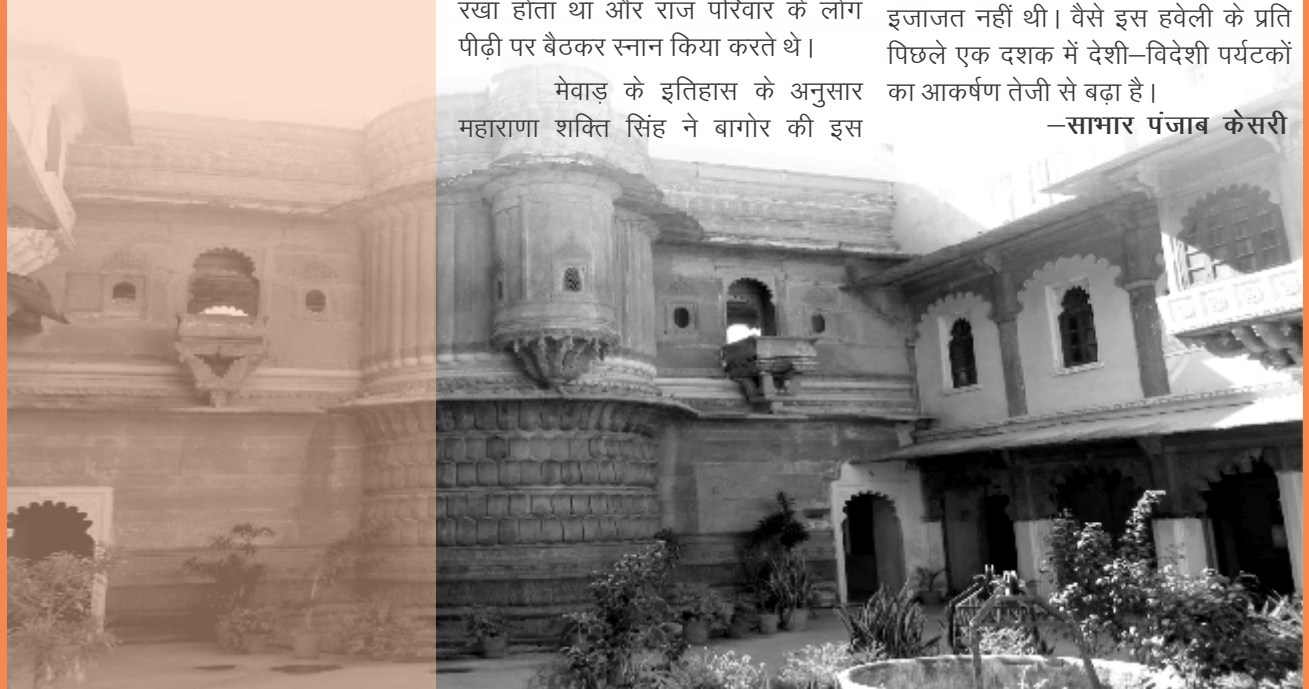

# Speaking Personally
# अपनी बात

प्रस्तोता - प्रताप सोनी

❖ क्या अपने दल को चलाने के लिये आपके कुछ लोग सहायक है ? हाँ, यह अत्यन्त आवश्यक है।

❖ वर्तमान समय में इस विश्व में सभी युवक तथा प्रौढ़ दोनों ही जीवन के हर क्षेत्र में पूर्णतया व्यस्त हैं। अपना कार्य, पढ़ाई, व्यापार, परिवार की जिम्मेदारी, व्यक्तिगत सम्बन्धों में व्यस्तता के कारण स्काउटिंग/गाइडिंग के लिये बहुत कम समय रह जाता है।

❖ इसके उपरान्त भी इस प्रदेश में लगभग 7,00,000 ऐसे वयस्क है जो इस आंदोलन से जुड़े लड़के लड़कियों को नेतृत्व प्रदान करने के लिये अपना समय देते हैं। वे अपने दल चला रहे हैं। यद्यपि इन दलों को एक ही व्यक्ति का नेतृत्व प्राप्त है, ये लोग अपने कार्य को किसी न किसी प्रकार चला रहे है। जिससे दल वांछित स्तर प्राप्त नहीं कर पाता। सप्ताहांत प्रशिक्षण कार्यक्रम एक साधारण निरन्तर कार्यक्रम बन गया है।

❖ युवा लोग जब दलों में सम्मिलित होते है, उनकी अपनी कुछ आशाएं होती है। वे कुछ ऐसे कार्य करना चाहते हैं जो स्कूल तथा घर में नहीं कर पाते। इसलिये वे तरह–तरह की योग्यता प्राप्त करने के इच्छुक होते हैं। कुछ साहसिक बाह्य जीवन के कार्य करना चाहते हैं। अकेला एक व्यक्ति हर प्रकार का प्रशिक्षण देने में समक्ष नहीं होता। विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम के अभाव में ये युवक दलों से अलग होने लगते है। इसलिये दल इतना क्रियाशील नहीं हो पाता जितना होना चाहिये।

❖ अतः दल के नेता का प्रथम कार्य दल को चलाने के लिये अपने कुछ साथियों को तैयार करना होगा जो उसे सहायता पंहुचा सके। वास्तव में यह कार्य कोई इतना कठिन नहीं है जितना कि प्रारम्भ में लगता है। इस कार्य को चलाने के लिये प्रारम्भ में दो प्रकार के सहायकों की आवश्यकता होती है। एक वे जो स्काउट/गाइड रहे हों और स्काउट/गाइड कला का ज्ञान रखते हो। दूसरे वे जब किसी विशेष विषय में दक्ष होते है और युवको के साथ कार्य करना चाहते है। कुछ ऐसे भी होते है, जो वास्तव में बहुत व्यस्त होते है और इच्छा होते हुये भी संस्था के साथ सक्रिय रूप से नहीं जुट पाते लेकिन सप्ताहांत या कभी कभी विशेष कार्यक्रम हेतु समय निकाल ही लेते है। ऐसे व्यक्तियों का पता अपने मिलने वाले मित्रों, ग्रुप कौसिल के सदस्यों ग्राम पंचायतों, तथा भूतपूर्व विद्यार्थियों व स्काउट गाइड रोवर/रेंजर से पता लगाया जा सकता है।

❖ क्रमबद्ध व्यवस्थित तथा योजनाबद्ध कार्यक्रम के द्वारा हम उपरोक्त व्यक्तियों का लाभ उठा सकते है। इन्हें हम प्रशिक्षण परीक्षक हाइक की व्यवस्था करने वाले तथा फंड एकत्र करने के लिये आन्दोलन के साथ जोड सकते है।

❖ Do you have a team to support you, run your unit? Yes, it is very essential !

❖ Life in today's world both for young people and adult leaders is full. Everyone all over is quite busy. Studies, Job obligations, business care, family chores, personal commitments leave limited time for doing Scouting and Guiding.

❖ Still we have about 7,00,000 (Seven Lac) adults in the country who do spare time, for our boys/girls in the Movement. They run units at grass root level. It is however, more often, a one-man leadership. They manage things single handed. The unit does not attain the desired standard. The training programme offered weak after week tends to become a routine affair.

❖ Young people joining the units have expectations. They like to do things that do not happen at home or in schools. They are as much eager to learn useful skills, experience closes of adventure and life out-of-doors. One person on his or her own, how so efficient, cannot provide all that. Lack of full and varied programme in such cases leads to leakage. The Unit is not that lively and active as one would wish it were.

❖ Unit Leader's first priority therefore is formation of support team. In actual practice it is not as difficult as it initially appears. Two types of people are needed in such a team. Those who are or have been Scouts/Guides, knowing Scout/ Guide craft and skills and the other those who are expert in particular subjects or activity and love working with young people. There are people who are otherwise busy and unable to do active Scounting/Guiding may spare time occasionally or at week-ends for specific activities. One can locate them from amongst the circle of friends, colleagues, Group Council Members, village panchayat members, past students, Rovers/ Rangers and parents residing in the locality.

❖ By proper planning unit can receive the benefit of the services of these friends of the movement as instructors, examiners, hike leaders, fund-raisers etc.

❖ इसके अतिरिक्त युनिट के लोग युनिट के अन्दर से भी इस लाभ को उठा सकते हैं। इसके लिये उस युनिट के कुछ अच्छे स्काउट गाइड को प्रोत्साहित कर कुछ जिम्मेदारी उनके ऊपर सौंप कर उन्हें आगे बढाने से प्राप्त हो सकती है। टोली नायको को भी समय समय पर नेतृत्व ग्रहण करने के लिये अवसर देना चाहिये।

दल के प्रबन्ध में उन्हें विशेष स्थान व अवसर दिया जाना चाहिये। प्रशिक्षण के मामलों में भी उन्हें प्रशिक्षण में सहायक होने के अवसर देना चाहिये। युवकों में विश्वास रखना विश्वास पैदा करना है। उसे सुनागरिक बनने का अवसर प्रदान करते है। जिससे उनको स्काउटिंग गाइड का ज्ञान और नेतृत्व की शिक्षा मिलती है।

❖ बहुत से ऐसे संगठन है जिन्हें यदि भली भांति सम्पर्क किया जावे और अनन्य व्यवहार किया जावे तो वे यूनिट लीडर के विशेष प्रशिक्षण में सहायता प्रदान कर सकते है, जैसे नागरिक सुरक्षा, अग्निशन विभाग, प्राथमिक स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य और ऐसे संगठन जो सदैव सहायता करने को तत्पर रहते हैं।

❖ पुराने (फॉर्मर) स्काउट गाइड को अब और अधिक संगठित किया जा रहा है। जिससे उनके अन्दर स्काउट भावना बनी रह सके। बहुत से स्थानों में स्थानीय, जिला तथा प्रादेशिक स्तर पर यह संगठन संगठित किया जा रहा है। जिससे स्काउट गाइड की भावना जीवित रहे। इनमें से बहुत से लोग ऐसे भी है जो शासन में उच्च पदों पर आसीन है, कुछ व्यापारी है, कुछ उद्योग धन्धों में लगे है और कुछ विभिन्न प्रकार के कार्यो में संलग्न परन्तु उनके अन्दर स्काउट गाइड भावना जीवित है। इस साधन का हमें पूरा उपयोग करना चाहिये जिससे युनिट लीडर्स के मूल रूप से सहायता मिले, उत्साह मिले और वे अपने मूल उत्तरदायित्व को समझे।

❖ Again a keen unit leader can get leader-ship from within the unit itself by encouraging go-ahead Senior Boys/Girls to accept responsibilities during Unit meetings. Ample opportunities are given to Patrol Leaders to enable them to play progressively significant part in the unit. They are kept ahead of others in matters of training and groomed as assistants. The confidence placed in the possibilities of young people and their development as responsible citizens forms the basis of scout education and training in leadership.

❖ Many organizations outside the movement, properly approached offer assistance and provide facilities to unit leaders in specialized subject, Civil Defense, Fire Brigades, Primary Health Centers and other such utility services land a helping hand for training in Badge work.

❖ Former Scouts and Guides are now getting mire & more organized to keep the "Scout Spirit" alive. In many a piece they run fellowships at local/State level and are readily available for doing good turn to the movement. One finds them holding high positions in administration. Industry, business, factories and other vacations. The "Spirit" continues to remain alive within them. The source can be fruitfully utilized by forward looking unit leaders at the net wider, share responsibility, and receive support.

**H.W.B. (Scout) Chomu (Jaipur)**

काव्य प्रतिभा

# हम बालचर

**प्रस्तोता – हिम्मतराज शर्मा**
सेवानिवृत प्रधानाचार्य
सोजत रोड़ (पाली)

हम बालचर, हम बालचर, हम सब हैं बालचर,
प्राणि मात्र के रक्षक, सेवक हम हैं बालचर ।

वीर–धीर गम्भीर हृदय में ज्योति लिये फिरते हैं
दीन–दुखी के बने सहायक, काम भले करते हैं
हम निर्भय रहते हैं हरदम, नहीं किसी का डर
हम बालचर, हम बालचर.....

सदा खिले रहते फूलों से, मुस्काते सावन से
मन वचनों से हैं पवित्र गंगा–यमुना पावन से
हम रहते है नित्य सभी बस अपने पर निर्भर
हम बालचर, हम बालचर.....

अपने देश की खातिर अपने प्राण लुटा सकते हैं
माँगे भारत माता तो निज शीश कटा सकते हैं
मातृभूमि की सेवा मन में बसी हुई सत्वर
हम बालचर, हम बालचर.....

भ्रातृ–भाव फैलाएँ जग में सबको अपना मानें
सारी वसुधा को अपना परिवार समझकर जानें
प्रेम स्नेह का सदा हृदय में बहता है निर्झर
हम बालचर, हम बालचर.....

सदा सत्य बोलें नेकी की राह कभी ना छोड़ें
कभी अहिंसा की सेवा की मर्यादा ना तोडें
महावीर, गाँधी के पथ के सदा रहें अनुचर
हम बालचर, हम बालचर.....

# गतिविधि दर्पण

## अजमेर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भीलवाड़ा के तत्वावधान में जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर 27 फरवरी से 01 मार्च 2023 तक जिला मुख्यालय, भीलवाड़ा पर आयोजित किया गया। शिविर में सम्भागियों को प्रकृति के

अध्ययन के लिए इको पार्क, हमीरगढ़, जिला भीलवाड़ा पर भ्रमण करवाया गया। इको पार्क में स्काउट गाइड ने विभिन्न पेड़–पौधों, पत्तियों व वन्यजीवों की जानकारी प्राप्त की। शिविर का आयोजन सी.ओ. स्काउट व गाइड विनोद कुमार घारू व अनिता तिवारी के निर्देशन में किया गया। वन अधिकारी भंवर लाल बारहठ द्वारा पर्यावरण, इको पार्क व पशु–पक्षियों पर स्काउट गाइड को वार्ता दी गई। शिविर का संचालन प्रेम शंकर जोशी द्वारा किया गया। शिविर में पोस्टर, निबंध, स्लोगन व शपथ कार्यक्रम आयोजित किये गये।

## भरतपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में प्रकृति अध्ययन शिविर का आयोजन 21 से 23 फरवरी 2023 तक जिला मुख्यालय करौली पर किया गया, जिसका शुभारंभ मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री वीरेंद्र कुमार गौतम ने किया। प्रकृति अध्ययन शिविर में 54 स्काउट गाइड व 7 स्टाफ ने भाग लिया। शिविर में स्काउट गाइड

बालक बालिकाओं ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, नशा मुक्ति एवं स्वच्छता से संबंधित प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा उक्त विषयक वार्ताएं प्रदान की गई। इस अवसर पर पर्यावरण जन जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं बालक बालिकाओं को वन विभाग के सौजन्य से कैलादेवी वन्य जीव अभ्यारण में प्रकृति भ्रमण का अवसर भी प्रदान किया गया, जिसमें बालक बालिकाओं ने कई वन्य जीवों को नजदीक से देखा एवं उनकी जानकारी प्राप्त की। स्काउट गाइड बालक बालिकाओं ने इस दौरान कैलादेवी वन्य जीव अभ्यारण में एनीकट सुख नदी एवं उसके आसपास के वातावरण के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने वाले स्काउट गाइड रोवर रेंजर को पारितोषिक प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

## बीकानेर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में 21 से 23 फरवरी तक जिला स्तरीय प्रकृति भ्रमण शिविर का आयोजन सी. ओ. स्काउट महेश कालावत के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर किया गया, जिसमें जिले के

विभिन्न विद्यालयों के 45 स्काउट गाइड, इको क्लब सदस्यों एवं 10 सदस्यीय संचालक दल ने भाग लिया।

इस अवसर पर नेशनल ग्रीन कोर योजना के अंतर्गत राज्य मुख्यालय की गाइड लाइन के अनुसार स्काउट गाइड, इको क्लब सदस्यों को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवाया गया, जिसमें ऊर्जा संरक्षण, जल सरंक्षण, पर्यावरण संरक्षण, पोस्टर, निबंध, चित्रकला प्रतियोगिता आदि सम्पन्न हुई।

शिविर के दौरान मुख्य जिला अधिकारी एवं मुख्य जिला आयुक्त श्रीमती अनुसुइया ने शिविर विजिट कर उत्साहवर्धन किया। शिविरार्थियों को झुंझुनूं के बीड़ वन क्षेत्र का भ्रमण करवाया गया। जहां पर काले हिरण, नील गाय, खरगोश, मोर, तीतर जैसे पशु पक्षियों के साथ साथ वन क्षेत्र की जैव

विविधता का बारीकी से अवलोकन किया गया।

शिविर में सी.ओ. गाइड सुभिता महला, शिव प्रसाद, रामदेव सिंह, मक्खन लाल, रेवा शौनक, हेमराज, जोगेंद्र सिंह आदि ने सहयोग प्रदान किया।

❖ एस के एम पब्लिक स्कूल ग्रामोत्थान विद्यापीठ में लॉर्ड बेडेन पावेल के जन्मदिवस पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य एस.के. मुरारी व विद्यालय के स्काउट–गाइड, कब–बुलबुल द्वारा लॉर्ड बेडेन पावेल के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया गया। गाइडर शैलजा शाह ने जानकारी देते हुए बताया कि स्काउट गाइड एक अंतरराष्ट्रीय समाजसेवी संस्था है, जो देश के युवक–युवतियों को सुनागरिकता का प्रशिक्षण प्रदान करती है। इससे बालक बालिकाओं में अनुशासन, समाज सेवा, कर्तव्यपरायणता, प्रकृति प्रेम व आपसी सामंजस्य की भावना पैदा होती है। सर्व धर्म प्रार्थना सभा में प्रातःस्मरामि, सरस्वती वंदना, गुरु वंदना, रामधुन, नामधुन–सनातन धर्म, इस्लाम धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म प्रार्थना एवं मौन प्रार्थना गाकर पूरा माहौल भक्तिमय कर दिया। प्राचार्य शाह कृष्ण मुरारी में अपने उद्‌बोधन में सभी धर्मों को जानने एवं उनके प्रति आदर का भाव रखने की सलाह दी। स्काउट एवं संगीत विभाग के छात्र वी शेल ओवर कम, हर देश में तू हर वेश में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही है और अंत में शांति पाठ का वाचन विद्यालय के पूरक, गुंजन जैस्मीन, जागृति, दिव्या, टैमी, लावण्या सेजल, देवांशी, पूजन, पालविश, शदब, हरमीन, यथार्थ, एसमीन, दीक्षा, नुवेशिका आदि के द्वारा संगीत अध्यापक हिमांशु नागपाल के नेतृत्व में समूह गान के रूप में प्रस्तुत किया गया। छात्र मयंक, सौम्य इत्यादि ने वाद्य यंत्रों के द्वारा सहयोग किया। प्रार्थना सभा में विद्यालय के स्काउटर योगेश भोबिया, ओमप्रकाश, रविंदर सिंह सहित अन्य सभी स्टाफ ने सहभागिता की।

## जयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, नजर बगीची अलवर पर जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर का आयोजन 21 से 23 फरवरी तक किया गया, जिसमें 45

स्काउट गाइड ने भाग लिया। शिविर के दौरान नेचर कलेक्शन, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, प्रकृति भ्रमण, वार्ताएं आदि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वन विभाग के एसीएफ राजीव लोचन पाठक द्वारा स्काउट गाइड को जीव जंतु और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी प्रदान की गई। अनूप यादव द्वारा जल संरक्षण विषय पर वार्ता दी गई। 22 फरवरी को लॉर्ड बेडेन पॉवेल के जन्म दिवस के अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। शिविर में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले स्काउट गाइड को शिविर समापन पर पारितोषिक वितरित किए गए। शिविर का संचालन श्री सुरेश चंद शर्मा एएलटी द्वारा किया गया, सहायक के रूप में श्रीमती निशा मीणा, यशोदाबाई, रफीक खान, गोपाल शर्मा आदि द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान की गई।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 24 से 28 फरवरी तक पांच दिवसीय निपुण रेंजर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सी.ओ. गाइड प्रियंका कुमारी के नेतृत्व में जिला मुख्यालय, बड़ा तालाब सीकर पर किया गया।

शिविर में नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झंडा गीत, चिह्न, सेल्यूट, बायां हाथ मिलाना, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, अनुमान लगाना, प्राथमिक सहायता, वी फॉर्मशन, ध्वज शिष्टाचार तथा निपुण दक्षता बैज पाठ्यक्रम की जानकारी सहित स्काउट गाइड की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इस अवसर पर सीओ गाइड सीकर प्रियंका द्वारा आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें आग से बचाव का

जीवंत प्रदर्शन कर रेंजर्स की हौसला अफजाई की गई।

शिविर संचालिका निर्मला माथुर के नेतृत्व में रेंजर्स ने हर्ष पर्वत पर कचरा एवं पॉलीथिन एकत्र कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शीशराम कुलहरी ने रेंजर्स को आशीर्वाद प्रदान किया।

शिविर के दौरान रेंजर्स को नर्सरी एवं संग्रहालय भ्रमण करवाया गया। रेंजर्स ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित चित्रकला प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्राप्त किया। शिविर के दौरान सी.ओ. स्काउट बसंत लाटा, प्रभारी कमिश्नर धोद रश्मि दाधीच, स्थानीय संघ सचिव धोद एवं सचिव सीकर ने रेंजर्स का उत्साहवर्धन किया। शिविर का समापन सर्वधर्म प्रार्थना सभा के साथ संपन्न हुआ।

शिविर सी.ओ. गाइड प्रियंका कुमारी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। शिविर का संचालन निर्मला माथुर सहायक लीडर ट्रेनर ने किया तथा रेंजर लीडर दुर्गेश, अनुपमा दीक्षित, डॉ. मंजू चौधरी, डॉ. गरिमा सिहाग आदि ने प्रशिक्षण प्रदान किया। शिविर में विभिन्न महाविद्यालयों की 37 रेंजर्स ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 21 फरवरी को विश्व स्काउट दिवस व गाइड चिंतन दिवस की पूर्व संध्या पर दीपोत्सव का आयोजन स्काउट गाइड जिला मुख्यालय, बड़ा तालाब, सीकर पर किया गया, जिसमें स्काउट गाइड सदस्यों ने बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर, प्रियंका कुमारी सी.ओ. गाइड सीकर के नेतृत्व में मिट्टी से स्काउट गाइड का चिन्ह बनाकर रंगोली करके उस पर दीपक जलाएं।

इस अवसर पर स्काउट मास्टर अजरुद्दीन, गाइड कैप्टन सुनीता जोशी, कमला कुड़ी, रेंजर दुर्गेश नंदिनी, राष्ट्रपति स्काउट भोला राम कुमावत, पूर्व राज्य पुरस्कार स्काउट हंसराज लाटा, राष्ट्रपति स्काउट एवं स्काउट मास्टर देवेश कुमार लाटा, रोवर लखन कुमार, स्काउट विजय कुमार काकड़वाल, सागर शर्मा, श्याम रथ, ओम प्रकाश, रोनित जोगाणी सहित अनेक स्काउट गाइड सदस्यों ने भाग लिया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में स्काउट गाइड जिला मुख्यालय, बड़ा तालाब, सीकर पर 22 फरवरी को विश्व स्काउट दिवस गाइड चिंतन दिवस के रूप में गणेश कुमार शर्मा के मुख्य अतिथि में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ लॉर्ड बीपी एवं लेडी बीपी

के चित्र पर माल्यार्पण व धूप दीप कर शुभारंभ किया तथा विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पक्षियों के लिए परिंडे लगाए, वृक्षारोपण किया, साफ सफाई, बड़े तालाब के पानी जाने के रास्ते में श्रमदान कर पॉलीथिन, कचरा एकत्रित किया, मिट्टी से स्काउट गाइड का चिन्ह बना कर रंगोली की, प्रकृति संरक्षण, पशुओं की खेली की सफाई, जल संरक्षण, पेड़ लगाओ, स्काउट गाइड जन जागरूकता के पंपलेट वितरण, पौधों से खरपतवार निकालने का कार्य, विभिन्न स्थानों पर प्याऊ की सफाई की गई।

बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर ने इस अवसर पर स्काउट गाइड आंदोलन के इतिहास की जानकारी प्रदान की। विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा, सीओ गाइड प्रियंका कुमारी, पद्मिनी ओपन रेंजर टीम की रेंजर लीडर निर्मला माथुर, स्काउट मास्टर अंकित कुमार, रेंजर्स में कल्पना, रेणु कंवर, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बजाज रोड सीकर की गाइड जिज्ञासा, प्रतिज्ञा, गीत, भावना, ममता, खुशी, मरुधर ओपन रोवर क्रू के रोवर लखन, मुकेश, श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर के स्काउट हेमंत सहित स्काउट गाइड सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रमाण पत्र वितरण किए।

पूरे जिले भर में स्काउट गाइड कब बुलबुल रोवर रेंजर ग्रुप द्वारा स्थानीय संघ मुख्यालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के साथ स्काउटिंग के जन्मदाता लार्ड बेडेन पावेल व लेडी बेडेन पावेल का जन्मदिन विश्व स्काउट दिवस गाइड चिंतन दिवस के रुप में मनाया गया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, शिवसिंहपुरा के ट्रूप

आदर्श विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय कोलीड़ा में विश्व स्काउट दिवस मनाया गया, जिसके तहत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्काउट सचिन प्रथम, स्काउट लविस द्वितीय और स्काउट सुमित तृतीय स्थान पर रहे। इसके साथ ही भाषण प्रतियोगिता और रंगोली का भी आयोजन किया गया और पायनियरिंग प्रोजेक्ट के तहत एक बहुत ही सुंदर मंकी ब्रिज का निर्माण किया गया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुरेरा में स्काउट मास्टर विनोद नरवर के नेतृत्व में स्काउट्स सदस्यों ने चिंतन दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

श्रीमती जमुना देवी पांडे राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक

विद्यालय पाटन में विश्व स्काउट एवं चिंतन दिवस मनाया गया। विद्यालय के कब की तरफ से पोस्टर, वाद–विवाद, कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न कब एवं गाइड के द्वारा कला मुंडी, मोगली का खेल का आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्यालय के उप प्रधानाचार्य सुमेर सिंह खुडानिया, सुमित्रा पवार, महावीर सिंह वर्मा, अनीता यादव, राजपाल यादव, विवेक सिंह, एस के आर्य, गंगाराम सैनी, नरेश कुमार कुमावत एवं कब मास्टर विवान योगी उपस्थित थे। श्री सुमेर सिंह जी ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन इको क्लब प्रभारी एवं कब मास्टर ओम प्रकाश जांगिड़ ने किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, रामनिवास बाग, जयपुर में नवीन स्काउट गाइड हट का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में सहायक उप जिला कमिश्नर स्थानीय संघ जयपुर एवं उपनिदेशक साक्षरता गिरिराज

पारीक, प्रधान मदन गोपाल गोयल, सहायक राज्य संगठन आयुक्त जयपुर दामोदर प्रसाद शर्मा, सीओ स्काउट जयपुर शरद शर्मा, सचिव जगदीश नारायण शर्मा, संयुक्त सचिव सुश्री अनीता सिंह, अशोक कुमार चम, कृष्णकांत शर्मा, उमाकांत शर्मा उपस्थित रहे। हट के निर्माण के लिए स्थानीय संघ के पूर्व स्काउटर अशोक कुमार चेम द्वारा 150000/– रुपए की राशि प्रदान की गई, साथ ही यह भी कहा कि वह प्रतिवर्ष एक हट का निर्माण कराएंगे। स्थानीय संघ परिवार ने उनके स्वास्थ्य की मंगल कामना करते हुए धन्यवाद अर्पित किया।

## कोटा मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला कोटा के तत्वावधान में आयोजित निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत स्काउट गाइड ट्रेनिंग सेंटर आलनिया पर भोजन बनाओ प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रोवर रेंजर ने सीमित संसाधनों से सभी प्रकार के

व्यंजन बनाकर प्रतियोगिता में भाग लिया। व्यंजन प्रतियोगिता के बाद राजस्थानी लोकगीतों पर एक रोवर रेंजर के ग्रुपों की लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। शिविरार्थि 20 फरवरी से अलग–अलग जगह पर सेवा कार्य एवं सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने के संदेश देने का जन जागरण कार्यक्रम भी कर रहे हैं। शिविर में जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा द्वारा रोवर रेंजर को स्काउट गाइड की मुख्यधारा से जोड़ने एवं संस्कारवान बनाने के लिए स्काउट नियम एवं प्रतिज्ञा के माध्यम से उनको सेवा के लिए कृत संकल्पित कर रहे हैं। 21 फरवरी को रोवर रेंजर ने भी त्रिकुंड पर चंबल शुद्धिकरण का कार्यक्रम संपन्न किया। 22 फरवरी को लार्ड बेडेन पावेल के जन्म दिवस के अवसर पर देह दान पार्क में सर्वधर्म प्रार्थना सभा, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया इसके उपरांत तीन बत्ती सर्किल पर रोवर रेंजर द्वारा नशा मुक्ति एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। दिनांक 24 फरवरी को कोटा से अलनिया ट्रेनिंग सेंटर तक

भ्रमण किया गया, जिसमें भोजन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शिविर के समापन के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 21 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर में सर्कल ऑर्गेनाइजर गाइड कृतिका पाराशर ने गाइड की उत्पत्ति एवं प्रसार के बारे में जानकारी प्रदान की। शिविर में स्वदेश सिंह, विजय शर्मा, मनाली आहूजा, राखी शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

## उदयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में विश्व चिन्तन दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन ट्रिनिटी एकेडमी दलोट में किया गया, जिसकी मुख्य अतिथि सी.ओ. गाइड रेखा शर्मा थी। एन.जी.सी. सहायक लोकेन्द्र कुमार माली ने बताया है कि स्काउटिंग के जन्मदाता लार्ड व लेडी बेडेन पॉवेल के जन्म दिवस को विश्व

स्काउट एवं गाइड चिन्तन दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर ट्रिनिटी ऐकडमी दलोट में जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें स्काउट गाइड विद्यालय छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रेखा शर्मा सी.ओ.गाइड प्रतापगढ़ थी। सी.ओ. गाइड ने लार्ड बेडेन पावेल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए स्काउट गाइड प्रमाण पत्र, राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति अवार्ड के बारे में जानकारी प्रदान की। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए रेखा शर्मा ने कहा कि स्काउट गाइड गतिविधि से बालक का सर्वांगिण विकास होता है। इस अवसर पर रेखा शर्मा ने स्काउट गाइड से यह भी अपील की वे अपने अन्दर किसी भी प्रकार का दुर्व्यसन न पाले और अपने साथियों, मित्रों को भी दुर्व्यसन न पालने की सीख दे। संगोष्ठी में ट्रिनिटी एकेडमी संस्थान के निदेशक राजेन्द्र कुमार कुमावत ने उपस्थित स्काउट गाइड एवं छात्र छात्राओं से कहा कि स्काउट गाइड पर समाज ज्यादा विश्वास करती है और स्काउट गाइड द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यक्रमों से समाज के सभी लोग अवगत हैं, इसलिए स्काउट गाइड को स्वच्छता एवं प्लास्टिक का उपयोग कम करने के बारे में लोगो को प्रेरित करना चाहिए।

कार्यक्रम में जम्बूरी में सहभागिता करने वाले स्काउट व गाइड को भी सम्मनित किया गया है। कार्यक्रम का संचालन चुन्नीलाल कटारा ने किया व इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ पंडित जितेन्द्र तिवारी, सूरज सिह भादोरिया, नानुराम लबाना, कुषार कुमार, संदीप कुमार, विवेकानन्द, शिवसिंह आदि उपस्थित थे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बांसवाड़ा पर 21 से 23 फरवरी, 2023 तक प्रकृति अध्ययन शिविर का आयोजन किया गया, जिसका संचालन रोवर लीडर जितेन्द्र यादव, गाइड कैप्टन अन्जली चौहान व 05 सहयोगी स्टाफ द्वारा किया गया। शिविर में 21 रोवर व 29 रेंजर ने सहभागिता की।

द्वितीय दिवस की गतिविधियों में प्रकृति भ्रमण, वार्ता, पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया, जिनमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया एवं गतिविधियों का ऑनलाईन पंजीकरण (गुगल मीट पर) किया गया, सभी संभागीयों को कैम्प किट वितरण किया गया। तृतीय दिवस गतिविधियों में सर्वधर्म प्रार्थना सभा, सेव वाटर रैली, सेव एनर्जी रैली, सिंगल यूज प्लास्टिक वार्ता का आयोजन करवाया गया, जिनके विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बी.पी. पार्क किला रोड़, चित्तौड़गढ़ पर दिनांक 20 से 26 फरवरी 2023 तक आयोजित बी.एस.टी.सी. छात्राध्यापक व छात्राध्यापिका स्काउट गाइड ग्रुप शिविर के अंतिम दिवस से पूर्व समापन

समारोह का आयोजन मुख्य अतिथि भावना शर्मा, विशिष्ट अतिथि अखिलेश श्रीवास्तव, अनिक्षित श्रीवास्तव एवं पूर्व शिक्षा उपनिदेशक श्याम सिंह मण्डलिया की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर अतिथियों को संगठन का स्कार्फ पहनाकर स्वागत व अभिनन्दन किया गया।

चन्द्र शंकर श्रीवास्तव सी.ओ. स्काउट चित्तौड़गढ़ ने बताया कि शिविर के अन्तर्गत डाइट चित्तौड़गढ़, मेवाड़ यूनिवर्सिटी गंगरार एवं श्रीनाथ बी.एस.टी.सी. कॉलेज के प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्र व छात्रा ने सहभागिता कर स्काउट गाइड का प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के अन्तर्गत संभागियों के व्यक्तित्व विकास व मार्गदर्शन हेतु प्रमोद कुमार दशोरा अति. जिला परियोजना समन्वयक समसा, सी.ए. डॉ. इन्द्रमल सेठिया द्वारा शिविर का अवलोकन किया गया। शिविर के अंतिम दिवस प्रातः सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सभी धर्मों का सम्मान करते हुये स्काउट गाइड को ईश्वर के प्रति कर्तव्य का बोध कराते हुये विश्व शान्ति व देश के विकास में अपना योगदान देने का आह्वान किया गया।

शिविर संचालक चतर सिंह राजपूत ने बताया कि शिविर में संभागियों को स्काउट गाइड आन्दोलन की जानकारी,

नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झण्डागीत, राष्ट्रगान, ध्वज शिष्टाचार, ध्वज के प्रकार, पायनियरिंग, प्राथमिक सहायता, खोज के चिन्ह, अनुमान लगाना, हाइक, सामुदायिक विकास कार्यक्रम, ले आउट एवं गैजेट्स, गणवेश एवं रखरखाव, स्वावलम्बन, साहसिक व सांस्कृतिक गतिविधि आदि विषयों का प्रशिक्षण देकर समाज व देश सेवा हेतु तैयार रहने का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में प्रशिक्षक के रूप में श्री सत्यनारायण सोमानी, लक्ष्मी लाल आचार्य, कैलाश चन्द्र अहीर, गाइडर नेहा टेलर, सर्विस रोवर युवराज तम्बोली ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

# श्रेष्ठ कौन है?

**प्रस्तोता - सत्यनारायण प्रजापति (वर्मा)**

हम सभी मानते हैं कि समाज श्रेष्ठजनों के आचरण से प्रभावित होता है।

**यद्यदाचरति श्रेष्ठ स्तन्त देवे तरो जनः।**
**स यत्प्रमाणं कुरूते लोकस्तदनुवर्तते।।**
**(गीता–3–21)**

महापुरूष जो भी आचरण करते हैं, सामान्यजन उसी का अनुसरण करते हैं। वह अपने अनुसरणीय कार्यों से जो आदर्श प्रस्तुत करता है, सम्पूर्ण विश्व उसका अनुसरण करता है।

भगवान श्री कृष्ण ने तो यह श्लोक बहुत बड़े प्रयोजन के लिए कहा था, परन्तु आज के परिवेश में यह श्लोक बहुआयामी चरितार्थ हो रहा है।

**हम चर्चा करते हैं– श्रेष्ठ कौन है ?**

एक पुत्र के लिए उसका पिता सबसे श्रेष्ठ है, शिष्य के लिए उसका गुरू, विद्यार्थी के लिए उसका शिक्षक–अध्यापक श्रेष्ठ है। पत्नी के लिए उसका पति एवं पति के लिए उसकी पत्नी श्रेष्ठ है। हम मंदिर में भगवान के दर्शन करने जाते हैं तो वहाँ का पुजारी हमें श्रेष्ठ भक्त लगता है। जब चुनाव होते हैं (वार्ड पार्षद से सांसद तक) विजेता समाज के लिए लोकतन्त्र में श्रेष्ठ बन जाता है। किसी भी कार्यालय में कर्मचारियों का बॉस (अधिकारी) उस विभाग में श्रेष्ठतम होता है।

इस प्रकार सम्पूर्ण समाज में अलग–अलग स्थानों पर वे सब श्रेष्ठ हुए जिनसे दूसरे लोग प्रभावित हो रहे हैं। जब क्रिकेट या अन्य खेल में कोई खिलाड़ी अच्छा खेल प्रदर्शित करता है तो अन्य खिलाडियों या खेल प्रेमियों के लिए वह श्रेष्ठ हो जाता है। छोटे भाई के लिए बड़ा भाई श्रेष्ठ है, बड़ी बहिन उसकी छोटी बहिन के लिए श्रेष्ठ लड़की है।

अब वहाँ भगवान कहते हैं कि श्रेष्ठजन जो जो आचरण करते हैं उन्हें श्रेष्ठ मानने वाले सामान्यजन उनका अनुसरण करेंगे। आज पूरे देश में श्रेष्ठ बनने की होड़ लगी हुई हैं। सभी अहं से ग्रसित हैं (आई एम समथिंग) परन्तु यह नहीं सोच रहे हैं कि ''मेरे आचरण से समाज में अनेक ऐसे हैं जो मेरे कार्यों को प्रमाण मानकर जीवन में उतारेंगे'' लोकस्तदनुवर्तते।

हमारे देश में समाज सुधारक, चिंतक एवं सभी श्रेष्ठजन समाज में बढ़ते दोषों से चिंतित हैं, परन्तु कोई मार्ग नजर नहीं आ रहा है। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड का आचरण एवं स्काउट गाइड की श्रेष्ठता समाज में विश्वसनीय है। स्काउट जीवन जीने वाला समाज के सभी अंगों (पिता, पुत्र, पुत्री, पति, पत्नी, नेता, अभिनेता इत्यादि) के समक्ष अपने को श्रेष्ठ आचरण द्वारा आदर्श के रूप में प्रस्तुत करता है। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि शिक्षा क्षेत्र के माध्यम से स्काउट का और अधिक प्रचार–प्रसार हो तथा संख्यात्मक एवं गुणात्मक रूप से अधिक से अधिक स्काउट गाइड बनें।

**स्थानीय संघ, अन्ता (बांरा)**

# देश में महिलाओं द्वारा हासिल उपलब्धियाँ

- 1879 : जॉन इलियट ड्रिंकवाटर बिथयून ने 1849 में बिथयून स्कूल स्थापित किया, जो 1879 में बिथयून कॉलेज बनने के साथ भारत का पहला महिला कॉलेज बन गया।
- 1883 : चंद्रमुखी बसु और कादम्बिनी गांगुली ब्रिटिश साम्राज्य और भारत में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने वाली पहली महिलाएं।
- 1886 : कादम्बिनी गांगुली और आनंदी गोपाल जोशी पश्चिमी दवाओं में प्रशिक्षित होने वाली भारत की पहली महिलाएं।
- 1905 : कार चलाने वाली पहली भारतीय महिला सुज़ान आरडी टाटा थीं।
- 1916 : पहला महिला विश्वविद्यालय, एसएनडीटी महिला विश्व– विद्यालय की स्थापना समाज सुधारक धोंडो केशव कर्वे द्वारा केवल पांच छात्रों के साथ 2 जून 1916 को की गई।
- 1917 : एनी बेसेंट भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष।
- 1919 : पंडिता रामाबाई, अपनी प्रतिष्ठित समाज सेवा के कारण ब्रिटिश राज द्वारा 'केसर–ए–हिंद' सम्मान प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला थी।
- 1925 : सरोजिनी नायडू भारतीय मूल की पहली महिला थीं जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनी।
- 1927 : अखिल भारतीय महिला सम्मेलन की स्थापना की गई।
- 1944 : आसिमा चटर्जी ऐसी पहली भारतीय महिला थीं जिन्हें किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया।
- 1947 : 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता के बाद, सरोजिनी नायडू संयुक्त प्रदेशों की राज्यपाल बनीं, और इस तरह वे भारत की पहली महिला राज्यपाल बनीं।
- 1951 : डेक्कन एयरवेज की प्रेम माथुर प्रथम भारतीय महिला व्यावसायिक पायलट बनीं।
- 1953 : विजय लक्ष्मी पंडित यूनाइटेड नेशन्स जनरल एसेम्बली की पहली महिला (और पहली भारतीय) अध्यक्षा थी।
- 1959 : अन्ना चान्डी, किसी उच्च न्यायालय (केरल उच्च न्यायालय) की पहली भारतीय महिला जज बनीं।
- 1963 : सुचेता कृपलानी उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं, किसी भी भारतीय राज्य में यह पद सँभालने वाली वे पहली महिला थीं।
- 1966 : कैप्टेन दुर्गा बनर्जी सरकारी एयरलाइन्स, भारतीय एयरलाइंस, की पहली भारतीय महिला पायलट बनीं।
- 1966 : कमलादेवी चट्टोपाध्याय ने समुदाय नेतृत्व के लिए रेमन मैगसेसे पुरस्कार प्राप्त किया।
- 1966 : इंदिरा गाँधी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।
- 1970 : कमलजीत संधू एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला थीं।
- 1972 : किरण बेदी भारतीय पुलिस सेवा (इंडियन पुलिस सर्विस) में भर्ती होने वाली पहली महिला थीं।
- 1979 : मदर टेरेसा ने नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त किया और यह सम्मान प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला नागरिक बनीं।
- 1984 : 23 मई को, बछेन्द्री पाल माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।
- 1989 : न्यायमूर्ति एम. फातिमा बीवी भारत के उच्चतम न्यायालय की पहली महिला जज बनीं।
- 1992 : प्रिया झिंगन भारतीय थलसेना में भर्ती होने वाली पहली महिला कैडेट थीं (6 मार्च 1993 को उन्हें कमीशन किया गया)।
- 1994 : हरिता कौर देओल भारतीय वायु सेना में अकेले जहाज उड़ाने वाली पहली भारतीय महिला पायलट बनी।
- 1997 : कल्पना चावला, भारत में जन्मी ऐसी प्रथम महिला थी जो अंतरिक्ष में गयीं।
- 2000 : कर्णम मल्लेश्वरी ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं (सिडनी में 2000 के समर ओलंपिक में कांस्य पदक)
- 2002 : लक्ष्मी सहगल भारतीय राष्ट्रपति पद के लिए खड़ी होने वाली प्रथम भारतीय महिला थीं।
- 2004 : पुनीता अरोड़ा, भारतीय थलसेना में लेफ्टिनेंट जनरल के सर्वोच्च पद तक पहुँचने वाली प्रथम भारतीय महिला बनीं।
- 2007 : प्रतिभा पाटिल भारत की प्रथम भारतीय महिला राष्ट्रपति बनीं।
- 2009 : मीरा कुमार भारतीय संसद के निचले सदन, लोक सभा की पहली महिला अध्यक्ष बनीं।

# दक्षता पदक

**स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के दृष्टिकोण से उपयोगी साबित होगी। इस अंक में दक्षता के 'अवलोकक' बैज की जानकारी दी जा रही है।**

## अवलोकक
## OBSERVER

सामान्य रूप से समय, परिस्थिति, घटना, काल आदि के परिप्रेक्ष्य में हमारे नजरिये के अनुसार हमारी अवलोकन क्षमता प्रभावित होती है। अवलोकन के दृष्टिकोण से हमारे विचार प्रभावित होते हैं। यदि हमारी अवलोकन क्षमता परिपक्व नहीं है तो हम किसी भी घटना के सही रूप को जानने में सफल नहीं होंगे। इसी को दृष्टिगत रखते हुए बच्चों में अवलोकन क्षमता विकसित करने की दृष्टि से अवलोकक दक्षता पदक का अपना महत्व है।

- दृष्टि और अवलोकन के लिए काक का उदाहरण दिया जाता है।
- पाँच भारतीय पशु या पक्षियों का चयन कर उनके नाम आदतों के बारे में जानकारी करें।
- दस फूलों या वृक्षों या झाड़ियों के नाम जाने और पहचानें।
- स्थानीय बाजार में मौसमी फल व सब्जियों के बारे में जाने और मुख्य फसल कब काटी जाती है, जानें।
- प्राकृतिक चिन्हों, कम्पास, दिशाओं, खोज के संकेतों से परीक्षक द्वारा बताये अज्ञात स्थान पर जो 300 मीटर से अधिक की दूरी न हो, भ्रमण किया जाये।
- स्मरण शक्ति के खेल को खेल सकें, इसमें 16 में से 12 वस्तु को बता सके अर्थात ''किम गेम''।

### पदक प्राप्ति के लिए क्या करें :-

- पशुओं में बंदर, खरगोश, गीदड़, लोमड़ी, बिल्ली, भेड़िया, चीता, शेर, नील गाय आदि के पैरों के निशान, रंग, रूप, खाने की वस्तुएं, चाल आदि के बारे में विस्तृत जानकारी अवलोकन करके की जा सकती है।
- ऐसे ही पक्षियों में तोता, बुलबुल, मैना, कबूतर, कौआ, नीलकण्ठ, कठफोड़ा आदि की बोली, रंग, रूप, खाने की वस्तुएं आदि के बारे में जानकारी की जा सकती है।
- जहरीले पौधों के बारे में जानकारी हासिल करना,

कुछ पौधों के बीज, किसी का दूध जहरीला हो सकता है, जैसे धतुरे का बीज, कनैर और कटहरी की जड़ें, कुचिला के फल, अफीम और आक का दूध जहरीला होता है। इसी तरह मैदान में कुकुरमुत्ता।

जहरीली वनस्पतियों में दुर्गन्ध होती है, खाई जाने वाली में नहीं। जहरीली वनस्पतियों का स्वाद कड़वा होता है, खाने वाली वनस्पतियों का नहीं।

ऐसे ही बाजार में मौसमानुसार व्याप्त सब्जियों का नाम नोट बुक में लिखवाकर तारीख डालें ताकि मौसम भी प्रमाणित हो सके।

भारत में मुख्य फसलें दो होती है – रबी और खरीफ।

रबी जाड़ों में बोई और गर्मियों में काटी जाती है। इसमें गेंहु, चना आदि मुख्य है। जबकि खरीफ की फसल बरसात में बोकर जाड़ों में काटी जाती है। इसमें मक्का, ज्वार, बाजरा, उड़द, मूंग मुख्य है। तीसरी फसल बरसात से पहले ही ले ली जाती है। इसमें ककड़ी, खरबूजा, तरबूज आदि है।

- किसी गेम द्वारा भी अवलोकन क्षमता को मापा जाता है। इसका निर्धारण 16 वस्तुओं को रख कर किया जा सकता है। इसमें से कम से कम 12 के बारे में बताना होगा, इसके लिए वस्तुओं को एक चादर से ढक दिया जाता है, एक मिनट अवलोकन के लिए चादर को हटा दिया जाता है। तत्पश्चात् पूछा जाने पर कम से कम 12 को याद रखना होता है तभी बैज की इस जाँच को पूर्णता मिलती है। इसमें अधिक के बारे में बताने पर उत्कृष्टता प्रमाण मिलता है।

## राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

| गतिविधि का नाम | दिनांक | स्थान |
|---|---|---|
| दिव्यांग, अनाथालय, पालनहार गतिविधियां | 15 मार्च 2023 तक | ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर |
| अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर | 15 मार्च 2023 तक | ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर |
| जनजाति व ग्रामीण गतिविधियां | 15 मार्च 2023 तक | ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर |
| सचिव/सर्कल ऑर्गेनाइजर्स सभा | 31 मार्च 2023 तक | मण्डल स्तर पर |
| MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 11, 13) | प्रतिमाह | जिला स्तर पर |

## राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

| NAME OF EVENTS | MONTHS & DATES | VENUE |
|---|---|---|
| National Strategic Planning Workshop | 11 -15 March 2023 | NHQ, New Delhi |
| 1st Messengers of Peace Jamboree | 26 - 30 April 2023 | Maligaon, N.F.Railway |
| MOP Team India Gathering & Coordinatores Workshop | April to May 2023 | Kurseong Darjeeling (W.B.)/ Himachal Pradesh |

## अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

| NAME OF EVENTS | MONTHS & DATES | VENUE |
|---|---|---|
| Scouting for Life Jamboree | 06 - 10 April 2023 | Tuen Mun, HongKong |
| APR Partnership Forum | 25 - 28 May 2023 | Kualalumpur, Malaysia |
| 38th World Conference in Nicosia | 26 - 31 July 2023 | Cyprus, Nicosia |
| 25th World Scout Jamboree | 01- 12 Aug. 2023 | Saemangeum, Korea |

**National Headquarters website : www.bsgindia.org**

## CELEBRATIONS FOR MARCH & APRIL, 2023

| | | |
|---|---|---|
| 20 March | : | International Day of Happiness |
| 21 March | : | International Day of Forest and the Tree |
| 24 March | : | World Tuberculosis Day |
| 07 April | : | World Health Day |
| 22 April | : | World Earth Day |
| 23 April | : | World Book Day |

**Plan an activity with your unit on these days and send your Report & Photos to - "scoutguidejyoti@gmail.com"**

# राज्य पुरस्कार से सम्मानित मण्डलवार स्काउट, गाइड, रोवर व रेंजर

भरतपुर

बीकानेर

जयपुर

जोधपुर

कोटा

उदयपुर

# राज्य पुरस्कार समारोह

राज्यपाल श्रीयुत कलराज मिश्र एवं शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला को स्कार्फ पहनाकर अभिनन्दन करते हुए स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य

राज्य पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथियों के संग बैण्ड वादन एवं लोकनृत्य प्रस्तुत करने वाले स्काउट्स व गाइड्स

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835
प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti